तापमान
अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 16 मार्च 2025

11 लड़के और लड़कियों को अच्छे संस्कार दें

12 इंदिरा कॉलोनी में कहासुनी को लेकर हुआ झगड़ा ...

कॉम्पीटिशन मतलब संस्कारम

IIT-JEE Advanced Selections

India's Most Trusted School for Integrated Classroom Programme for Selection in
IIT-JEE, NEET, NDA, MNS, SSC, CUET, CLAT, CA, CS, ICMAI

2025-26 ADMISSION OPEN

99.99 %ile Selection in IIT (BHU) Varanasi

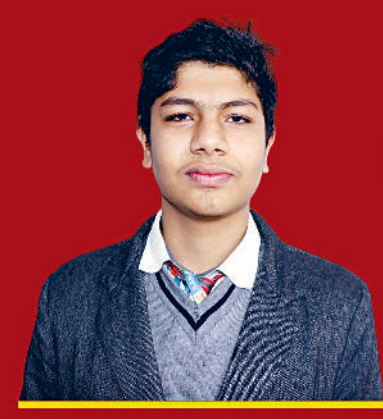

Dishant S/O Mr. Devender
Village - Paharipur

99.96 %ile Selection in IIT Guwahati

Chirag S/O Mr. Satender
Village - Paharipur

JEE Main (Session-1) Result -2025

99.98 %ile Physics | 98.54 %ile Physics | 98.59 %ile Maths | 98.7 %ile Maths | 96.13 %ile Maths | 94.81 %ile Maths

Shubham S/o Kailash Vill : Dubladhan | Samir S/o Dharambir Hansi, Hisar | Tanishk S/o Naresh Charkhi Dadri | Shubham S/o Ranbir Vill : Kheri Khummar | Akshit S/o Amarjeet Jhajjar | Arpit S/o Amarjeet Baghpur

Scholarship Test : Date - 16 March 2025 / Time : 10:00 AM Onwards / Venue : Khatiwas & Patauda Campus

98.85 %ile SHIVAM S/o JOGINDER SEKHUPUR
98.17 %ile YOGESH S/o RAJKUMAR MANGAWAS
97.90 %ile VIVEK S/o BASANT SIWANA
97.51 %ile NIKKI D/o SURENDER JONDHI
97.40 %ile VAIBHAV S/o AMIT JHAJJAR
97.40 %ile RITIK S/o KARTAR SERIA
97 %ile MUSKAN D/o SHYAMLAL JHAJJAR
96.56 %ile JATIN S/o VINEET JHAJJAR

NEET Selections-2024

AC Hostel Facility For Boys & Girls

KHUSHI D/o PAWAN DHAKLA — Selection in MBBS — AIIMS Jodhpur
CHARU D/o SATISH MASUDPUR — Selection in MBBS — PGIMS Rohtak
ANJALI D/o VIKASH CHAMANPURA — Selection in MBBS — ESIC Faridabad
YASH S/o OM PRAKASH JHAJAJR — Selection in MBBS — PGIMS Rohtak
SHAKSHI D/o DEVENDER KHERI KHUMMAR — Selection in MBBS — PGIMS Rohtak

KAJAL D/o RAKESH MAJRA
DIKSHU S/o SURENDER DUBALDHAN
KAJAL D/o SANJAY GUDHA
VAIBHAV S/o AMIT JHAJJAR
HIREN S/o SANDEEP BHADANI
TANNU D/o DEVENDER JHAJJAR
RASHMI D/o SATBIR JHAJJAR

NDA Qualifiers 2024

AMAN S/o JITENDER DUBALDHAN
ANSHU S/o SURESH DIGHAL
ANUJ S/o VIKASH JHAJJAR
SACHIN S/o JEET SINGH JHAJJAR
NIKKI D/o SURENDER JONDHI
AMAN S/o MANJEET NAGAWA
BHAVYA S/o AJMER KABLANA
VISHAL S/o KULDEEP KHERI HOSYARPUR
DEEPANSHU S/o DHEERAJ KHERI KHUMMAR
TUSHAR S/o DHARAMBIR SEKHUPUR JAT
SHIVAM S/o JOGINDER SEKHUPUR JAT
VIVEK S/o BASANT SIWANA
SAKSHI D/o NAVEEN BARHANA
LAKSHAY S/o AJAY SII ANA
MUSKAN D/o GOVIND KOELPUR
SAMEER S/o DHARAMBIR JHAJJAR
DINESH S/o SANJAY BHAPRODA
JIVESH S/o SONU BHAPRODA
SAHIL S/o SANDEEP SIWANA
SHUBHAM S/o RANBIR KHERI KHUMMAR
SHUBHAM S/o KAILASH DUBALDHAN
KAUSHAL S/o JOGENDER DADANPUR
SITANSHU S/o HARIKISHAN SURAJGARH

BOARD Results 2024

CBSE CLASS XII Topper 99 %
RITIKA D/o DEVENDER JHAJJAR

CBSE CLASS X Topper 98.2 %
KANIKA D/o BALWAN KHERI KHUMMAR

CBSE CLASS X Topper 98.2 %
CHIRAG S/o RAMBIR CHIMNI

CA/CS Qualifers 2024

MITAKSHI D/o VINAY MALIKPUR
KANIKA D/o ASHOK AURANGPUR
KHUSHI D/o BHARAMJEET AURANGPUR
AAKASH S/o RAJPAL REWARI KHERA
DIYA D/o SANDEEP KHATIWAS

CLAT Qualifers 2024

CHARVI D/o VINOD KHATIWAS
YASHASWI D/o VIKRANT JHAJJAR
CHAAVI D/o RISHIPAL BERI
VAIBHAV S/o DEV JHAJJAR
ALKA D/o JAIBIR MAJRA D.
MANSI D/o RAJIV MATANHAIL
RITIKA D/o SATYAPL JHINJHAR
RASHI D/o RAJENDER JHINJHAR
AKANSHA D/o RAJESH MATANHAIL
PRIYANKA D/o SURESH DUBALDHAN
MANISH S/o RAJESH DUBALDHAN
HARSHITA D/o PAWAN JHAJJAR

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

THE TIMES OF INDIA — Awarded with Times School Survey award 2025-26

JHAJJAR CAMPUS : CALL : 8222889860, 8222889862
NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar (Haryana)
PATAUDA CAMPUS : CALL : 9053007801,9053007802
NH.71, Patauda, Near Kulana, Jhajjar (Haryana)

बाहरवीं में 2,395 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा, 7 यूएमसी बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में शनिवार को सात यूएमसी बनाए गए। इनमें से पांच यूएमसी गर्वमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल हिसार रोड पर बने। यहां एसडीएम फ्लाइंग की टीम निरीक्षण कर रही थी। इस दौरान पांच विद्यार्थियों के पास नकल मिलने पर उनके यूएमसी बना दिए गए। बता दें कि शनिवार को बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों का कैमिस्ट्री, बिजनस स्टडी और पब्लिक एड का पेपर था। कुल 2443 विद्यार्थियों ने परीक्षा देनी थी, लेकिन इनमें से 48 बच्चे अनुपस्थित रहे और 2395 छात्रों ने परीक्षा दी। 26 बच्चे कैमिस्ट्री, 5 बच्चे अकाउंट्स और 17 छात्र पब्लिक एड के पेपर में अनुपस्थित रहे। 1380 बच्चे कैमिस्ट्री, 481 अकाउंट्स और 534 बच्चे पब्लिक एड के पेपर में उपस्थित रहे।

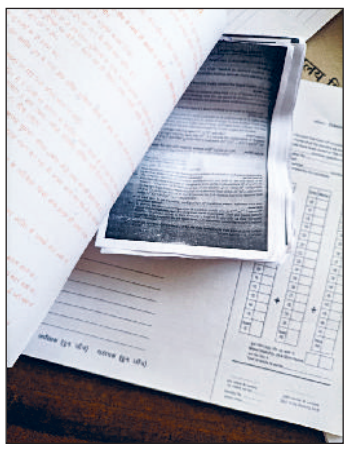

रोहतक। विद्यार्थियों से बरामद की गई नकल।

छह स्कूलों का निरीक्षण किया

शनिवार को एसडीएम फ्लाइंग की टीम ने गर्वमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल हिसार रोड पर पांच यूएमसी बनाए। ये सभी यूएमसी कैमिस्ट्री का पेपर दे रहे थे। सीटीएम अंकित कुमार के नेतृत्व में टीम ने छह स्कूलों का दौरा किया, टीम ने भारती कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहतक, एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहतक, गर्वमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल हिसार रोड, जीबीसी सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहतक, वैश्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। गर्वमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल हिसार रोड पर पांच बच्चे नकल करते मिले, टीम ने इनके यूएमसी बनाकर बोर्ड में भेज दिया। इस टीम में विकास शर्मा, विकास ढलवाल और पूनम मौजूद रहे।

दोपहर 12:30 बजे था पेपर

पेपर का समय दोपहर 12:30 बजे से 3:30 बजे तक था। बच्चे अपने सेंटर पर 11 बजे से ही पहुंचने शुरू हो गए। छात्रों के साथ उनके अभिभावक भी थे। अब 18 मार्च को बारहवीं कक्षा के बच्चों का सोशोलॉजी व एंटरप्रन्योरशिप का पेपर है और दसवीं कक्षा के छात्रों का 17 मार्च को सोशल साइंस का पेपर है।

खास बातें

- केमिस्ट्री, अकाउंट्स और पब्लिक एड का था पेपर
- 5 ओपन और 2 रेगुलर स्टूडेंड के बने यूएमसी
- कुल 2,443 में 48 बच्चे रहे अनुपस्थित
- 8 मार्च को सोशोलॉजी और एंटरप्रन्योरशिप का होगा पेपर

भाटिया हाई स्कूल में शुरू होगी फ्री फिटनेस योग, जिम्नास्टिक और ताइक्वांडो क्लास

रोहतक। एकता कॉलोनी स्थित भाटिया हाई स्कूल में कराटे, ताइक्वांडो, योगा, जिम्नास्टिक और सभी खेलों के लिए फ्री फिटनेस क्लासेस शुरू की जा रही है। जिसके लिए डिफेंस स्पोर्ट्स एकेडमी से सीनियर कोच राकेश बुधवार व मार्शल आर्ट्स स्पोर्ट्स एकेडमी से सीनियर कोच अशोक अकेला द्वारा फिटनेस टेस्ट लेकर व डेमो क्लॉस देकर बच्चों को प्रेरित किया कि 15 मार्च से इच्छुक विद्यार्थी अपने अभिभावकों की अनुमति से एकता कॉलोनी स्थित भाटिया हाई स्कूल में आकर अपना नाम लिखवा दें। ताकि फाइनल एग्जाम के बाद चुने हुए बच्चों की यह फ्री फिटनेस व ताइक्वांडो क्लासेस शुरू की जाएं। स्कूल प्रबंधक सुमित चावला ने बताया कि 15 मार्च से इन निशुल्क कक्षाओं के लिए नाम लिखवाया जा सकता है। जिसमें लड़कियों के लिए अलग से कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी।

खबर संक्षेप

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय की चारों एनएसएस इकाइयों के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ मायना गांव के हनुमान शिव मंदिर में हुआ। एनएसएस कोर्डिनेटर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय डॉ. सविता राठी ने एनएसएस वॉलिंटियर्स को एनएसएस की समाज में भूमिका, सामुदायिक सेवा, स्वच्छता व पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने वॉलिंटियर्स को समाज से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान अमरूद का पौधा लगाया गया। वॉलिंटियर्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां भी दी गई।

गीता अमृत महोत्सव ज्ञान भक्ति यज्ञ का आयोजन

सोनीपत। श्री सेवा समिति महाबीर दल द्वारा हनुमान मंदिर नंदवानी नगर में गीता अमृत महोत्सव ज्ञान भक्ति यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञ के तीसरे दिन डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज भिक्षु ने अपने संबोधन में में गीता को सच्चा ज्ञान बताया। महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का ज्ञान दिया था, ताकि मानव मात्र की भलाई हो सके। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रधान हरीश चावला ने बताया कि रविवार को समारोह का समापन किया जाएगा। जिसके तहत सुबह 9 बजे से श्रीसुंदर कांड पाठ का आयोजन होगा। जिसके उपरांत भंडारा भी आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर मेयर राजीव जैन, आरके ग्रोवर, सचिव राजेश बजाज, गुलशन छाबड़ा, एनसी गंभीर, आत्म भगत, सुंदर शाम, महेश सेतिया, अनिल चावला, मनोहर डेम्बला, अशोक जुनेजा, हंसराज आदि मौजूद रहे।

पांची जाटान स्थित टावर से बैटरी के सेल चोरी

गन्नौर। गांव पांची जाटान स्थित टावर से चोर बैटरी के सेल चोरी कर ले गए। विभाग के जेई ने चोरी की शिकायत गन्नौर थाना पुलिस को दी है। शिकायत में बीएसएनएल के जेई सुधीर कुमार ने बताया कि पांची जाटान में विभाग का टावर है। वह 1 मार्च को टावर पर बिजली संबंधित काम देखने गए थे। जब वह टावर पर पहुंचे तो टावर से बैटरी के सेल गायब मिले जिससे विभाग को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। गन्नौर थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गीत संगीत के बीच रंगों की बौछार से खेलते नजर आए लोग, एक-दूसरे को दी बधाइयां

हर्षोल्लास से मनाई दुल्हेंडी, जमकर उड़ा गुलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गीत संगीत के बीच रंगों की बौछार से होली के रंग में रंगे नजर आए। लोगों ने एक दूसरे के घर जाकर रंग लगाया और गले मिलकर होली की बधाईयां दी। बच्चों से लेकर बड़े- बुजुर्गों ने होली के गीतों पर जमकर नृत्य किया। हर तरफ होली की धूम नजर आई। सभी होली की मस्ती में थे। वीरवार से ही होली की रंगत दिखने लगी थी। वीरवार की शाम को होलिका दहन के बाद से ही लोगों ने होली खेलनी शुरू कर दी थी। बच्चे गली गली में टोलियां बनाकर होली खेलते नजर आए। होली है होली है की गूंज हर गली, हर मोहल्ले में गूंजने लगी। होली आई रे कन्हाई, रंग बरसे, होली खेले रघुवीरा की धुन गली गली में सुनाई दे रही थी। गांव हो या शहर हर जगह होली की उमंग और उत्साह एक समान था। बच्चे सुबह से ही रंग, पिचकारी लेकर घर से निकल गए और अपने हम उम्र साथियों के साथ होली के आनंद में मशगूल हो गए।

युवाओं की जमी महफिल

युवाओं की भी अपनी अगल महफिल जमी थी। यह नजारा मोहल्ले की हर कॉलोनी, गली और चौक चौराहे पर दिखा। महिलाओं की टोली भी किसी से कम नहीं थी। घर की छत या अपार्टमेंट की छत पर लोगों ने डीजे लगाकर होली का त्योहार मनाया। पुरूषों की तरह महिलाओं ने भी होली का आनंद उठाया। समूह में बंट कर लोग एक दूसरे के घर पहुंचे और गुलाल लगा कर एक- दूसरे को होली की बधाई दी।

रोहतक। माता दरवाजा चौक के पास कोलड़े मार होली खेलते व डैहरी मोहल्ला में कोलड़े मार होली खेलते।

रंगोत्सव प्रेम बांटने का देता संदेश

रोहतक। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को प्रतिवर्ष मनाए जाने वाला होली का यह पावन पर्व बसंत ऋतु की वृद्धि समृद्धि के मादक वातावरण में अपनी उपस्थिति देता है, रंगोत्सव पर्व पर यही संदेश देता है कि प्रेम बांटना है और प्रेम ही पाना है, प्रेम दिलों को जोड़ने देने वाला भाव, ऊंच नीच को मिटा देना वाला भाव, सेवा सहिष्णुता, दया, करूणा, और संवेदना को अभिवृद्ध कर देने वाला भाव है। इसकी पालना करते हुए आरडब्ल्यूए सदस्यों ने हमेशा की तरह आपस मे प्रेम से रंगों से सराबोर होकर सभी को होली पर्व पर बधाई देते हुए त्योहार मनाया। सुभाष नगर आरडब्ल्यूए प्रधान प्रवीन सहगल ने बताया कि इस दौरान राजकुमार डंग, राजेश मलिक, प्रदीप ट्री मैन, सुरेन्द्र वधवा, राजन मदान, कुलभूषण आर्य, अनिल अरोड़ा, कमल दुरेजा, सुभाष सहगल, गौरव गिरोतरा, शैलेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र सहगल, पुनीत गिरधर, हिमांशु पहल आदि मौजूद रहे।

ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचे लोग

रोहतक। श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर सुभाष नगर में फूल होली महोत्सव मनाया गया। दिल्ली से मंगाए गए फूलों और गुलाल द्वारा होली खेली गई और ढोल नगाड़ों के साथ नगर वासियों ने नाच गाकर इस महोत्सव का आनंद लिया। श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर महिला सत्संग मंडल एवं श्री शिव मंदिर महिला मंडल द्वारा होली गीत गाए गए। लंगर प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर जतिन बत्रा, अशोक हुड़िया, यशपाल ढींगरा, गुलशन बहल, शमशेर प्रकाश गोयल, राजीव गोयल, प्रवीण चुघ, राकेश कक्कड़ आदि मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से मनाया होली मिलन समारोह

रोहतक। सेक्टर 27 के निवासियों ने होली मिलन समारोह बड़े धूमधाम से मनाया। रंग, पानी और कोलड़ों की होली खेली गई। सभी ने एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर प्रधान दयानंद छिकारा, उपप्रधान सज्जन राठी, महासचिव महतास हुड्डा, सहसचिव सोमवीर धनखड़, कोषाध्यक्ष दीपक हुड्डा, संरक्षक चतरवीर, भरपूर सिंह, अश्विनी खत्री, रविन्द्र शास्त्री, रामकिशन सहरावत, सुभाष वर्मा, भूपेंद्र बरक, राजेश अहलावत, शैलेन्द्र, रमेश राठी, जगवीर राणा, पंकज हुड्डा आदि मौजूद रहे।

मंगल कमल कार्यालय में मनाई होली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय जनता पार्टी के मंगल कमल कार्यालय में जिले के सभी कार्यकर्ताओं ने होली मनाई। इसमें मुख्य रूप से प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा उपस्थित रहे। भाजपा जिला कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय इंचार्ज अमित बंसल ने बताया कि संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं को गुलाल लगाया। सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह ढाका प्रदेश कार्यालय सचिव गुलशन भाटिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, वरिष्ठ नेता नागेंद्र शर्मा, वरिष्ठ नेता डॉक्टर दिनेश घिलोड ,वरिष्ठ नेता नरेंद्र खट्टर, वरिष्ठ नेता रमेश अत्री, वरिष्ठ नेता नरेंद्र वत्स, वरिष्ठ नेत्री राज बाला, युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष नवीन ढुल, जिला मंत्री सुखबीर चंदोलिया, जिला महामंत्री आशा शर्मा, जिला उपाध्यक्ष वीर सिंह हुड्डा, अंकित शर्मा, धर्मेंद्र सैनी, जिला सोशल मीडिया सह प्रमुख विधि प्रकोष्ठ सुनील राठौर, जिला सोशल मीडिया प्रमुख कलानौर बॉबी गजराज, जिला सोशल मीडिया प्रमुख पंकज भारद्वाज, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, मंडलअध्यक्ष राकी सहगल, चाचा नाथी, युवा नेता पदम, अजय शर्मा, संदीप जांगड़ा, शीशपाल, वरुण आदि उपस्थित रहे।

रोहतक। मंगल कमल कार्यालय में होली खेलते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा व कार्यकर्ता।

होली है मैत्रीभाव की पराकाष्ठा : सिद्धार्थ औलिया

रोहतक। मुरथल स्थित समर्थ गुरुधाम आश्रम में होली महोत्सव मनाने 200 से ज्यादा साधक एकत्रित हुए। उन्होंने गीतों की धुन पर मस्ती मनाते हुए समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया के श्रीचरणों में गुलाल लगाकर आशीर्वाद लिया। समर्थगुरु ने कहा कि होली का पर्व मैत्री, प्रेम, उमंग का उत्कर्ष है। मेरा संदेश आपके लिए यह है कि आप अपने अंदर मैत्री भाव बढ़ाओ और उसको बाहर भी फैलाओ। जो व्यक्ति मैत्री भाव में रहेगा वह हमेशा प्रसन्न रहेगा। इसको पूरे वर्ष याद रखना।इस अवसर पर केन्द्रीय कोऑर्डिनेटर आचार्य दर्शन, अंतरराष्ट्रीय कोर्डिनेटर अमरेश झा, वरुण,आचार्य मदन,अनहद ,स्वामी राजू दलशेर, अनिल सरोहा डॉक्टर परमवीर फोगाट, सागर, संदीप नैन,मोनिका,सीमा, प्रियंका, संजना, आचार्या साहिबा,संगीता व समर्थगुरु सचिव मीराबाई आदि मौजूद रहे।

'रंग बरसै चुनरवाली रंग बरसै' पर नाचे लोग

- सांपला व ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

रंगों का त्योहार होली परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सांपला व ग्रामीण क्षेत्रों में रंग बरसै चुनरवाली रंग बरसै, आदि गीतों की धुन पर जगह-जगह युवा नाचते एक दूसरे को गुलाल लगाते नजर आए। सुबह रंगोत्सव शुरू हो गया। परिवार के मुखिया एवं वृद्ध परिजनों के चहरों पर गुलाल लगा कर उनसे दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त किया। युवक एवं युवतियां टोली बनाकर एक दूसरे को रंग लगाते हुए पर्व की एक दूसरे को शुभकामनाएं दे रहे थे। बच्चे भी पीछे नहीं थे। वह भी पिचकारियों से रंगों की बौछार कर आनंद ले रहे थे। महिलाएं भी आस पड़ोस में एक दूसरे के घर पहुंच कोलडें मार होली भी खेली। शाम तक तक लोग होली के हुड़दंग में डूबे रहे। कस्बे के मेन बाजार, मंडी आदि क्षेत्रों में रंग, गुलाल से सराबोर युवा डीजे पर बजते गीतों व बैंडबाजे की धुन पर थिरक होली हुड़दंग का लुफ्त उठाते नजर आए। ग्रामीण इलाकों में भी जमकर होली खेली गई। वहीं पुलिस भी सतर्क नजर आई।

होली फसल से जुड़ा प्राकृतिक त्योहार : आचार्य प्रविंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

होली फसल से जुड़ा हुआ प्राकृतिक त्योहार है। इस दिन नई फसल के अन्न से यज्ञ किया जाता है। होली का वैदिक नाम वासंती नवशस्येष्टि है। यह विचार आर्य वीर दल के तत्वाधान में आर्य नगर स्थित वैदिक भक्ति साधन आश्रम में आयोजित वासंती नवशस्येष्टि पर्व पर मुख्य वक्ता आचार्य प्रविंद्र ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य स्वास्थ्य का आधार है। मन की चिकित्सा के लिए अष्टाङ्ग योग का पालन करना चाहिए। झूठ बोलने वाले का कोई विश्वास नहीं करता। उन्होंने कहा कि बिना स्वामी की आज्ञा के कोई भी पदार्थ ग्रहण नहीं करना चोरी है। आवश्यकता से अधिक संग्रह करना परिग्रह है।

पंडित वीरेंद्र ने कविताओं से गुदगुदाया

इससे पूर्व नवशस्येष्टि के विशेष मन्त्रों के साथ आचार्य शक्तिदेव ने यज्ञ सम्पन्न करवाया। मुख्य यजमान सचिन दुआ, कृपाल सिंह वर्मा, विकास भयाना रहे। सुमन भाटिया ने ईश्वर भक्ति का भजन सुनाया। पंडित वीरेंद्र मधुर ने अपनी कविताओं के माध्यम से परस्पर मैत्रीभाव की प्रेरणा दी एवं श्रोताओं को गुदगुदाया। इस मौके पर धार्मिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया एवं पुरस्कार वितरित किये गए। अध्यक्षता डॉ. जगदेव सिंह ने की। इस अवसर पर सतीश आर्य, संजीव सचदेवा, अंकुर अरोड़ा, संदीप काहनी, संजय कथूरिया, वीरेन्द्र सहगल आदि मौजूद रहे।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में लगाया नेत्र जांच शिविर

- अध्यापकों, ड्राइवरों, कंडक्टरों तथा सहायक कर्मचारियों को जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए विद्यालय की ओर से नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें टाइटन आई प्लस की टीम द्वारा अध्यापकों, ड्राइवरों, कंडक्टरों तथा सहायक कर्मचारियों की नजर से संबंधित जांच की गई। शिविर का उद्देश्य स्कूल के कर्मचारियों की आंखों की जांच करना, दृष्टि संबंधी समस्याओं का विशेष विश्लेषण और सही नेत्र देखभाल के लिए आवश्यक सलाह दी गई। जांच के दौरान दृष्टि क्षमता, आंखों की थकान, स्क्रीन टाइम का प्रभाव और चश्मे की आवश्यकता जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया और उनका सही ढंग से समय पर उपचार करवाने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ममता मालिक ने टाइटन आई प्लस व उनकी निरीक्षक टीम को मोमेंटोस देकर सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी सेवाओं और समर्पण के लिए एक छोटा सा प्रतीक है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उप प्रधानाचार्या मशेनका, रितु, विन्नी, रवनीत, तरू, शोभा, सीमा शर्मा, रुचि, रेखा, हर्ष, सीमा दुआ, संध्या, मोनिका, सिमरन, कनिका चावला, कनिका गांधी, ज्योति चावला, सुमन, सुरेखा, सुमित, नवदीप आदि मौजूद रहे।

अभिभावक बच्चों को शिक्षित अवश्य बनाएं : रामरति

गोहाना। गांव सिकंदरपुर माजरा स्थित बाबू मूलचंद जैन राजकीय उच्च विद्यालय में एक सेमीनार आयोजित किया गया। यह सेमीनार नए शैक्षणिक सत्र में विद्यालय में बच्चों के दाखिले बढ़ाने को लेकर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि गांव की सरपंच रामरति देवी ने कहा कि शिक्षा से ही समाज व राष्ट्र का उत्थान संभव है। जिस व समाज व देश के नागरिक जितने अधिक शिक्षित होंगे वह समाज उतनी ही तेजी से विकास करेगा। ऐसे में अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें। वे अपने बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए विद्यालयों में दाखिला करवाएं।

7 दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

- राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ शनिवार को किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सविता राठी एमडीयू एनएसएस प्रोग्राम समन्वयक मुख्य अतिथि के रूप में स्वयंसेविकाओं के बीच उपस्थित रही। सात दिवसीय शिविर में पहुंचने पर महाविद्यालय प्राचार्या इंदु सपरा व एनएसएस इकाई एक और दो से प्रोग्राम ऑफिसर डॉक्टर मनीषा व डॉक्टर पूजा ने उनका स्वागत किया। स्वयं सेविकाओं ने कुछ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया।डॉक्टर सविता राठी ने एनएसएस के प्रति सभी को अपने अनुभव अनुसार बड़े ही प्रेरणादायक तरीके से जागरूक किया। वहीं, पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय प्रांगण में पौधरोपण किया गया।

लिव इन रिलेशन रूपी बुराई पर विचार व्यक्त किए

लड़के और लड़कियों को अच्छे संस्कार दें

- दिल्ली रोड स्थित सेक्टर 27 में रोहतक, सोनीपत और झज्जर जिलों की खापों की कोर कमेटी की हुई अहम बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सामाजिक समस्याओं और सामाजिक मुद्दों को लेकर शनिवार को रोहतक, सोनीपत और झज्जर जिलों की खापों की कोर कमेटी की एक अहम बैठक दिल्ली रोड स्थित सेक्टर 27 में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सर्व खाप संयोजक चौधरी महेंद्र सिंह नांदल ने की। बैठक में सबसे पहले सर्वखाप प्रवक्ता कैप्टन जगबीर मलिक ने समाज में तेजी से फैल रही लीव इन रिलेशन रूपी बुराई पर अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने लिव इन रिलेशन की बुराई पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देखने में आ रहा है कि शादी शुदा युवक और युवतियां भी अपने जीवन साथियों को त्याग कर गैरों के साथ लिव इन रिलेशन में रह रहे हैं। उन्हें किसी भी प्रकार की सामाजिक मर्यादाओं और लज्जा की कोई फिक्र नहीं है। उनके लिए धन और शारीरिक भूख सबसे बड़ी बात है। इस बुराई से हमारा युवा तबका तेजी से प्रभावित हो रहा है। परिवार की मान्यताएं और मर्यादाएं समाप्त होती जा रही हैं। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि वे अपने युवा लड़कें और लड़कियों को अच्छे संस्कार दें, उन्हें समय दें उनकी बात सुने और उन्हें इस प्रकार के कार्यों से हमेशा दूर रहने के लिए शिक्षित करें।

समाज सुधार के कार्य और बातें करनी चाहिए

हुड्डा खाप के पूर्व प्रधान धर्मपाल हुड्डा ने मुद्दा उठाया कि आजकल हमारे राज्य की सबसे बड़ी पंचायत में हमारे शिक्षित और अनुभवी विधायक और मंत्री सदन में सामाजिक और राजनीतिक मर्यादाओं को त्याग कर, एक दूसरे पर निम्न स्तर की टिप्पणी करते हैं। यह बड़े दुख की बात है। ये बड़े नेता लोग जनता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, उन्हें हमेशा समाज कल्याण और समाज सुधार के कार्य और बातें करनी चाहिए जो हमारी युवा पीढ़ी का अच्छा मार्गदर्शन करें।

हम सब मिलकर अपनी युवा पीढ़ी को नशे रूपी महारोग से बचाए

डॉ. सुरेश नांदल ने बताया कि सरकार के प्रयासों के बावजूद भी होली पर युवा खुलेआम नशे का उपयोग करते देखे जा सकते थे। आओ हम सब मिलकर अपनी युवा पीढ़ी को नशे रूपी महारोग से बचाए। बैठक के अंत में, बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं सर्व खाप संयोजक महेंद्र सिंह नांदल ने कहा कि हमारे युवा हमारे समाज और राष्ट्र का भविष्य और धरोहर हैं ।हम सबको अभिभावक होने के नाते उन्हें प्रत्येक बैठक और सामाजिक कार्यों में बुजुर्गों के साथ रखना चाहिए ताकि वे बुजुर्गों से अच्छी बातें सीख कर समाज कल्याण के कार्यों में आगे आए। बैठक में रोहतक खाप 84 प्रधान हरदीप अहलावत, देशवाल खाप प्रतिनिधि सुरेश देशवाल, दहिया खाप प्रतिनिधि राजवीर दहिया चंद्रपाल नांदल, देवेंद्र नांदल मलिक खाप प्रतिनिधि राजवीर मलिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भारत-रूस सांस्कृतिक एकजुटता के तहत महेंद्रगढ़ में 17 को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

- रूसी बैले, भारतीय फैशन शो और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होंगे मुख्य आकर्षण

भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक एकजुटता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नेशनल रिसर्च मोर्दोविया स्टेट यूनिवर्सिटी सारांक, रूस और आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 17 मार्च को आरपीएम कॉलेज ऑफ़ वेटरनरी साइंसेज, महेंद्रगढ़ के ऑडिटोरियम में होगा। यह जानकारी न्यू एरा एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि मोर्दोविया स्टेट यूनिवर्सिटी एकमात्र ऐसी रूसी यूनिवर्सिटी है, जहां भारतीय सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। यह केंद्र भारत और रूस के बीच शैक्षिक और सांस्कृतिक संबंधों को प्रोत्साहित करता है और दोनों देशों के बीच एक मजबूत बौद्धिक एवं सांस्कृतिक पुल का कार्य करता है। उन्होंने बताया कि मोर्दोविया स्टेट यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर दिमित्री ग्लुश्को भारत-रूस के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर अत्यंत गंभीर हैं और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रयास कर रहे हैं। उनकी पहल से दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक साझेदारी और मजबूत होगी।

डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में मोर्दोविया स्टेट यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल कल्चर, रूस द्वारा प्रस्तुत विश्वप्रसिद्ध रूसी बैले डांस का प्रदर्शन किया जाएगा। रूसी बैले, रूस की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का एक अभिन्न हिस्सा है, जिसकी प्रस्तुति दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। इसके साथ ही, भारत की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं को दर्शाने के लिए भारतीय पारंपरिक परिधानों और आधुनिक फैशन के अद्भुत संयोजन का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस फैशन शो में भारत के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक वस्त्र, आभूषण और लोक कलाओं की झलक देखने को मिलेगी, जिससे भारतीय संस्कृति की भव्यता दर्शकों के सामने उभरकर आएगी।

यह कार्यक्रम दोनों देशों के कलाकारों को एक-दूसरे की संस्कृति को समझने और साझा करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। भारत और रूस के बीच सदियों पुराने मजबूत सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंध रहे हैं। इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन न केवल इन संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करते हैं, बल्कि दोनों देशों के युवाओं और कलाकारों को एक-दूसरे की परंपराओं से अवगत कराने का कार्य भी करते हैं।

मेयर ने ककरोई रोड पर निर्मित जल शोधन संयत्र का लिया जायजा

- नगर निगम सोनीपत के नए मेयर ने अगले 15 दिनों के भीतर पेयजल सप्लाई शुरू करने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत । ककरोई रोड पर नवनिर्मित जल शोधन संयंत्र का जायजा लेते हुए मेयर राजीव जैन एवं अन्य।

नगर निगम सोनीपत के नए मेयर राजीव जैन ने शनिवार को ककरोई रोड पर 25 करोड़ रुपये से निर्मित जल शोधन संयत्र (डब्ल्यूटीपी) का जायजा लिया और अधिकारियों को अगले 15 दिनों के भीतर पेयजल सप्लाई शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने नहर से जल शोधन संयत्र तक आने वाले सड़क का भी दौरा किया और कहा कि नियमानुसार इसे भी जल्द बनवाने का हरसंभव प्रयास करेंगे। राजीव जैन ने कहा कि पश्चिमी यमुना नहर से शहर के पश्चिमी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति शुरू होने से गर्मी के मौसम में इस बार लोगों को पेयजल किल्लत का नहीं करना पड़ेगा सामना।

शनिवार को राजीव जैन ने ककरोई रोड पर 25 करोड़ रुपये से निर्मित जल शोधन संयत्र का जायजा लिया, साथ ही नहर से जल शोधन संयत्र तक आने वाले सड़क का भी मुआयना कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री कविता जैन के समय शुरू किए गए विकास कार्यों में जो लंबित पड़े हैं उनको तेजी से पूरा करवाना उनकी प्राथमिकता है। राजीव जैन ने कहा कि 2018 में ककरोई रोड पर सेक्टर-23 और आसपास की करीब दो दर्जन कॉलोनियों में पेयजल आपूर्ति के लिए जल शोधन संयंत्र मंजूर किया था। उनका सीधा मकसद था कि गर्मी के मौसम में शहरवासियों को पेयजल किल्लत का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी तकनीकी बाधाओं को अब दूर कर लिया गया है। अब अगले 15 दिनों में रेलवे लाइनपार (पश्चिमी) क्षेत्र में रहने वाले करीब दो लाख लोगों को नहरी पानी उपलब्ध कराया जाएगा। जैन ने कहा कि निकाय चुनाव में प्रदेश की जनता ने भाजपा की नीतियों पर विश्वास जताया है।

शिक्षा विशेषांक महम

महम व लाखनमाजरा क्षेत्र में विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें :
राज कुमार नरवाल, रिपोर्टर हरिभूमि
महम, सम्पर्क सूत्र : 9253681048

आर. के. पी. 28 वर्षों से कर रहा बच्चों का सर्वांगीण विकास, छात्र देश-विदेश में लहरा रहे परचम

हमारी शिक्षा यात्रा की शुरुआत : आर.के. पी. विद्यालय स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी के प्रिय शिष्य स्वामी विवेकानंद जी के आह्वान ''उठो, जागो और तब तक न रुको, जब तक अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेते'' से प्रेरणा लेते हुए सन् 1997 से शिक्षा के क्षेत्र में सफलतापूर्वक बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। शिक्षा में उत्कृष्टता और शिक्षा के प्रति प्यार को बढ़ावा देते हुए आर.के.पी. 28 वर्षों से बच्चों के श्रेष्ठ प्रदर्शन और व्यक्तित्व से दुनिया को अभिभूत करने और समाज व राष्ट्र को गौरवान्वित करने के लिए उनकी क्षमता व प्रतिभा को पहचानकर उन्हें प्रेरणा व मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। 28 वर्ष की यह यात्रा आसान नहीं रही लेकिन स्पष्ट दृष्टि, उत्साह व सर्वोच्च लक्ष्य के साथ स्कूल मैनेजमेंट व शिक्षकों के सहयोग से दिन-प्रतिदिन शिखर को छूने का काम आर.के.पी. ने किया है।

आर. के. पी. का उद्देश्य : हमारा उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ बच्चों को सामाजिक, नैतिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें संस्कारों और संस्कृति से जोड़ना और उनमें मानवीय सरोकारों का विकास करना है। शिक्षार्थियों में आलोचनात्मक सोच, जाँच की भावना और कल्पना के पंख फैलाने का उत्साह जगाना और प्रभावशाली संचार कौशल विकसित करना हमारा उद्देश्य है।

प्रत्येक बच्चे पर दिया जाता है विशेष ध्यान : हमारा मानना है कि हर बच्चा अद्वितीय (unique) और खास होता है। इसलिए हर बच्चे की अनोखी प्रतिभा और क्षमता को पहचानना और उसे विकसित करना हमारा लक्ष्य है। हम किसी भी बच्चे को कमजोर या अक्षम न बताकर उन्हें आत्मविश्वास और सशक्तिकरण के साथ भविष्य के लिए तैयार करते हैं। हमारे स्कूल में हम हर बच्चे की विशेषता को महत्त्व देते हैं और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते हैं।

क्रिएटिविटी हब : हमने इस वर्ष से क्रिएटिविटी हब तैयार किया है जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

योग और मेडिटेशन : बच्चों को नियमित रूप से योग और मेडिटेशन का प्रशिक्षण और अभ्यास करवाया जाता है जिससे बच्चों की एकाग्रता व स्मरण शक्ति बढ़ती है और उनमें स्वाध्याय की आदत विकसित होती है।

एच.आई.डी.पी. और हैप्पीनेस कक्षाएँ : हम मानते हैं कि स्थायी खुशी और आत्म-संतुष्टि की कुंजी आत्म-सामंजस्य में निहित है। हम छात्रों को स्वयं के साथ सामंजस्य बिठाने और अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं। हम छात्रों को आत्म-जागरूकता, आत्म-सम्मान और आत्म-विश्वास की भावना विकसित करने में मदद करते हैं, जो उन्हें स्थायी खुशी और सफलता की ओर ले जाती है। एच.आई.डी.पी. और हैप्पीनेस कक्षाएँ आयोजित करके बच्चों को खुशी के असली मायने और अर्थ समझाकर तनावमुक्त जीवन जीने की कला सिखाई जाती है।

संचार कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास : यह एक महत्त्वपूर्ण कौशल है जो बच्चों को अपने विचारों और अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने में मदद करता है व उनका आत्मविश्वास बढ़ाता है। आरकेपी स्कूल में पब्लिक स्पीकिंग कक्षाएँ, समूह चर्चा और वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, नेतृत्व कार्यक्रम और मंच प्रस्तुति से संबंधित गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में पब्लिक स्पीकिंग कौशल विकसित करने में मदद की जाती है।

हमारा लक्ष्य है कि बच्चों को ऐसा माहौल प्रदान किया जाए, जहाँ वे डर से अनुशासन को नहीं बल्कि अपनी बुद्धि और विवेक से आत्मानुशासन को चुनें। वे खुलकर अपनी बातें रख सकें और हम उनमें जिज्ञासा के बीज बोकर उनके ज्ञान में वृद्धि कर सकें।

उच्च स्तरीय शिक्षा एवं उचित फीस, टैलेंट ट्री स्कूल महम बना अभिभावकों की पहली पसंद

आदित्य श्रीवास्तव
प्रिंसिपल

बुलंद इरादे और लक्ष्य पर निशाना यदि बचपन से ही हो तो व्यक्तित्त्व आसमान की बुलन्दियों को छू सकता है। हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों के अन्दर वे सभी गुण उत्पन्न करना है, जिससे वे एक अच्छे नागरिक बन सकें। इसलिए हम विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ आधुनिक युग के विभिन्न क्रियाकलापों से भी परिचित करवाते हैं। हम आप सभी का तह दिल से धन्यवाद करते हैं जिन्होंने टैलेंट ट्री स्कूल को अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए प्राथमिकता दी। टैलेंट ट्री स्कूल एक ऐसा स्कूल है जिसकी स्थापना का एक मुख्य उद्देश्य बच्चों को एक ऐसा वातावरण उपलब्ध करवाना है जिससे उनमें सद्गुणों का विकास हो सके। इसको शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में विभिन्न प्रयासों के माध्यम से साकार किया जा सकता है। हम पूर्ण रूप से नवाचार और सतत् विकास में विश्वास रखते हैं। नन्हें बच्चे हमारे लिए एक ऐसा खजाना है जिनकी सेवा करने में हम अपना सौभाग्य समझते हैं। हम उन्हें दृढ़ता के साथ उड़ान भरने के लिए मजबूत पंख प्रदान करते हैं ताकि वे स्वयंमेव समर्पित सेवा के संदेशों को विश्वभर में प्रवाहित कर सकें। हमारा मुख्य उद्देश्य है बच्चों के अन्दर शिक्षा के प्रति लगाव उत्पन्न करना। यह संस्था बच्चों को ऐसी शिक्षा प्रदान करती है, जिससे उनका मानसिक व क्रियात्मक विकास संभव है। हम बच्चों को बहुत सारे ऐसे अवसर प्रदान करते हैं, जिससे उनके अंदर नैतिक संस्कार उत्पन्न हो सकें। महानता जीवन में लागू कर सके। इस स्कूल की शुरुआत से ही विद्यालय प्रबंधन का एक सुनहरा सपना था कि हम महम में ही बच्चों को विश्वस्तरीय एकेडमिक के साथ ही बच्चों को मेडीकल व इंजीनियरिंग के टेस्ट की तैयारी करवाएँ जिससे उनको अपना घर छोड़कर दूर ना जाना पड़े। अब क्षेत्रवासियों के लिए ये एक खुशी का सबब है कि हम इस वर्ष से मेडीकल व इंजीनियरिंग के कॉम्पटीशन टेस्ट्स की तैयारी हेतु फाउंडेशन क्लासेज 'टीसिप' (टैलेंट स्कूल इंटीग्रेटेड प्रोग्राम) के माध्यम से करवा रहें हैं। टैलेंट ट्री स्कूल सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम के साथ साथ बच्चों को IIT-JEE, NEET, NTSE एवं Olympiad जैसी परीक्षाओं की तैयारी अनुभवी अध्यापकों द्वारा करवाता है। जो मुकाम स्कूल को शुरू करते वक्त विद्यालय के मैनेजमेंट ने सोचा था, लगता था कि उसमें समय लग जाएगा पर आप लोगों के प्यार और विश्वास की वजह से इसे हम सिर्फ कुछ ही सालों में प्राप्त कर लेंगे। अब हमारा सपना साकार होगा जिसमें हम अपने एरिया के बच्चों को डॉक्टर व इंजीनियर बनता हुआ देखना चाहते थे। हमारे इन उद्देश्यों में साथ देने के लिए हम तह दिल से आप सभी लोगों का धन्यवाद करते हैं तथा यह आशा करते हैं कि आपका हमारे प्रति विश्वास भविष्य में भी इसी तरह बना रहेगा।

कैसे चुनें अपने नौनिहालों के लिये एक अच्छा स्कूल :

* हमारे विद्यालय में जानें कि कैसे प्राप्त कर सकता है आपका बच्चा स्कूल एवं बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे नम्बर?
* कुछ विद्यार्थी होनहार व पढ़े-लिखे होने के बावजूद भी क्यों नहीं हो पाते हैं जीवन में सफल?
* जानिए आप भी कैसे बना सकते हैं आपका बच्चा डॉक्टर व इंजीनियर जैसी परीक्षाओं में पास?
* क्या आपका बच्चा अच्छी इंग्लिश बोलता है? यदि नहीं, तो आपको निराश होने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि टैलेंट ट्री स्कूल बच्चों को एक नई दिशा दिखाएगा जिससे बच्चों का संपूर्ण विकास हो सके।

टैलेंट ट्री स्कूल महम: एक नई दिशा :

अब हम आपसे वादा करते हैं कि टैलेंट ट्री स्कूल महम स्कूल एक कीर्तिमान स्थापित करेगा और शिक्षा के ट्रेण्ड को बदलेगा वहीं बच्चों को नेक इंसान बनाने का काम करेगा। अब आपका बच्चा भी साइंस, इंग्लिश, सोशल सांइस आदि सभी विषयों के प्रश्नों के उत्तर रटने के बजाय उसे स्वयं इंग्लिश भाषा में लिखेगा और साथ ही एक्सपीरिएंशल मैथड से समझेगा।

इस संस्था के मुख्य उद्देश्य:

* ऐसी संस्था प्रदान करना जो बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की तरफ ले जाए।
* बच्चों में आत्मविश्वास तथा नेतृत्व जैसे विशेष गुणों को उत्पन्न करना।
* बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए ऐसे नागरिक पैदा करना जो देश का नाम रोशन कर सकें।

बच्चों को आधुनिक युग की ज़रूरतों के हिसाब से शिक्षा प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएँ:

* विशाल एवं आधुनिक कैंपस
* बच्चे की सारी जानकारी मोबाइल एप्लिकेशन के द्वारा
* स्पेशियस, एयर कंडिशन एवं डिजिटल क्लासरूम्स
* सारे स्कूल की सिक्योरिटी के लिए लगभग 120 सी.सी.टी. वी. कैमरे
* मोड ऑफ - कम्युनिकेशन - इंग्लिश
* मेहनती एवं अनुभवी अध्यापक
* नैतिक शिक्षा व अनुशासन पर जोर
* अबेकस व वैदिक मैथ्स की शिक्षा
* इंडोर एवं आउटडोर गेम्स की सुविधा बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, खो खो, एथलेटिक्स, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि गेम्स के लिए खेल ग्राउंड की व्यवस्था
* इंडोर गेम्स- चैस, कैरम, टेबल टेनिस आदि खेलों की उचित व्यवस्था
* पूर्ण साजो-सामान से सुसज्जित कम्प्यूटर लैब, बायोलॉजी लैब, फिजिक्स लैब, कैमिस्ट्रि लैब, मैथ्स लैब, सामाजिक विज्ञान लैब इत्यादि।
* सुसज्जित कम्प्यूटर लैब
* रोबोटिक्स लैब
* विभिन्न विषयों की पुस्तकों से सुसज्जित एवं रीडिंग रूम के साथ परिपूर्ण पुस्तकालय
* नवोदित प्रतिभाओं को उभारने के लिए और तनाव को दूर करने के लिए कांगों कैसियो, हारमोनियम, तबला, ढोलक, बाँसुरी, वायलिन व गिटार आदि सहित बड़ा एवं सुंदर म्यूजिक रूम
* नृत्य अभ्यास के लिए अलग से नृत्य कक्ष जिसमें बच्चों को वेस्टर्न डांस के साथ ही क्लासिकल डांस भी सिखाया जाता है।
* विद्यालय में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम
* विद्यालय में स्वच्छता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान

दिल्ली, चण्डीगढ़ और कोटा की तर्ज पर सँवारेगा बच्चों का भविष्य

अब टैलेंट ट्री स्कूल दिल्ली, चंडीगढ़ और कोटा की तर्ज पर सँवारेगा बच्चों का भविष्य क्योंकि विद्यालय की शिक्षा प्रणाली बिल्कुल ही अलग और उच्चकोटि की है। विद्यालय में बच्चों की अभिरुचि के अनुसार ही शिक्षा और संस्कार दिये जाते है। बच्चें कैसे भी हो? किसी भी स्तर के हो? उनके स्तर को पहचानने के लिए विद्यालय में योग्य शिक्षक एवं ट्रेनर मौजूद हैं जिसमें बच्चों की मनोस्थिति को समझकर उन्हें निखारने का काम हो सके । विद्यालय के बच्चों का बदलते युग के अनुरूप विकास ही हमारा उद्देश्य है और और विद्यालय परिवार अपने बच्चों के भविष्य को सजाने संवारने में सदैव तत्पर रहेगा।

आपको यह भी बताना चाहते हैं कि इस वर्ष हमारे पास प्रत्येक कक्षा में सीटें लिमिटेड हैं तो आपसे आग्रह है कि आप जल्दी से जल्दी एडमिशन करवा लें। अंत में हम हमारे सारे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की तहदिल से कामना करतें हैं।

विज्ञापन

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।

खबर संक्षेप

एंटी करप्शन ब्यूरो ने एएसआई पर 20 हजार का इनाम घोषित किया

रोहत। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने लाइसेंस क्लर्क कार्यालय झज्जर में कार्यरत सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र की गिरफ्तारी के लिए 20 हजार का इनाम घोषित किया है। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है। आरोपी की तलाश की जा रही है। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी जितेंद्र गांव गिझी का रहने वाला है। वह झज्जर में लाइसेंस क्लर्क कार्यालय पुलिस में सहायक उप निरीक्षक के पद पर कार्यरत है। उसने अपनी तैनाती के दौरान शस्त्र लाइसेंस बनाने की एवज में रिश्वत मांगी थी, जिसको लेकर 17 अप्रैल 2024 में मामला दर्ज किया गया था।

मोटरसाइकिल चोरी की वारदात में आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। कलानौर थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि सैमप्ल निवासी रमन की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 10 मार्च को रमन अपनी मोटरसाइकिल को खाटू श्याम मंदिर कलानौर के आगे खड़ी कर चला गया।

डीपीआरओ सुरेंद्र कुमार का तबादला

रोहतक। राज्य सरकार ने रोहतक के डीपीआरओ सुरेंद्र कुमार का तबादला कर दिया है। उन्हें यहां से स्थानांतरण कर भिवानी की जिम्मेदारी दी गई है। भिवानी में कार्यरत डीपीआरओ संजीव कुमार सैनी अब रोहतक का कार्यभार सम्भालेंगे। सरकार की तरफ से जारी आदेशों में 13 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। यहां कार्यरत पारूलता को भी मुख्यालय भेजने के आदेश जारी किए गए हैं।

बाइक सवार ने टोल कर्मी को मारी टक्कर

रोहतक। सदर थाना क्षेत्र स्थित मकड़ौली टोल पर शनिवार को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टोल कर्मचारी को टक्कर मार दी। घटना फुटेज में कैद हुई है।

घायल को उपचार के लिए पीजीआई भर्ती कराया गया है। कर्मचारियों ने बताया कि तेज रफ्तार बाइक सवार ने गलत लेन में आकर टोल कर्मचारी श्रीभगवान को सीधी टक्कर मार दी। जिससे कर्मचारी घायल हो गया।

एसपी आवास पर पहुंचे कॉलोनीवासी, सुरक्षा की लगाई गुहार

इंदिरा कॉलोनी में कहासुनी को लेकर हुआ झगड़ा, ईंट-पत्थरों से किया हमला, बुजुर्ग सहित आधा दर्जन लोग हुए घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंदिरा कॉलोनी में मामूली कहासुनी को लेकर झगड़ा हो गया और असमाजिक तत्वों द्वारा जमकर पथराव किया गया। हमले में एक बुजुर्ग सहित आधा दर्जन के करीब लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इस बारे में पता किया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। शनिवार सुबह कॉलोनी के निवासी पुलिस अधीक्षक आवास पर पहुंचे और असमाजिक तत्वों से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई।

नशे का कारोबार चरम पर

कॉलोनी वासियों ने आरोप लगाया कि कॉलोनी में नशे कारोबार चरम सीमा पर है और पुलिस ने कई बार नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कारवाई भी की, लेकिन नशे का कारोबार करने वाले लोग कालोनी वासियों से रंजिश रखे हुए है। कालोनीवासियों ने आरोप लगाया कि इसी रंजिश के चलते असमाजिक तत्वों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। एसपी ने कॉलोनी वासियों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने इस मामले में कारवाई करते हुए कुछ असमाजिक तत्वों को भी हिरासत में लिया है।

हुड़दंगबाजी की थी

कॉलोनी निवासियों ने बताया कि दुल्हेंडी के दिन शाम को कुछ असमाजिक तत्व कपड़े निकाल कर हुड़दंगबाजी कर रहे थे और जब कॉलोनी वासियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया तो वह झगड़ा करने लगे और उन पर पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में एक बुजुर्ग सहित करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। इतना ही असमाजिक तत्वों ने घरों में भी पथराव किया और गली में खड़ी गाड़ियों के भी शीशे तोड़ दिए और जान से मारने की धमकी भी दी।

हमले में घायल

एसपी से मिलने आए कॉलोनी के लोग

इंदिरा कॉलोनी के लोगों को समझाती पुलिस

असमाजिक तत्वों ने हमला बोला

कॉलोनी वासियों ने आरोप लगाया नशे का कारोबार करने वाले असमाजिक तत्वों द्वारा यह हमला एक षड़यंत्र के तहत किया गया है, क्योकि कॉलोनी के लोगों ने नशे की रोकथाम के लिए अभियान चलाया हुआ है और इसी रंजिश के तहत असमाजिक तत्वों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। कालोनी वासियों ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की गुहार लगाते हुए नशे का कारोबार करने वाले असमाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कारवाई की मांग की।

चुनावी रंजिश को लेकर गढ़ी मोहल्ला में डेढ़ दर्जन लोगों ने किया जानलेवा हमला

पुलिस कर्मियों ने भी भागकर बचाई जान, सीसीटीवी में वारदात कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गढ़ी मोहल्ला में दुल्हेंडी की शाम वार्ड तीन में चुनावी रंजिश को लेकर डेढ दर्जन लोगों ने परचून दुकानदार पर जानलेवा हमला कर दिया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन हमलावरों ने पुलिस कर्मियों पर भी हमला कर दिया और पुलिस कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित कुंदन लाल ने बताया कि दुल्हेंडी की शाम वह घर के बाहर परिवार के साथ बैठा हुआ था। पीड़ति ने आरोप लगाया कि इस दौरान अजय, बौना, पोटिंग, अमित, चिराग, डीसी उर्फ अंकित सहित 10 से 15 लोग आए और लाठी डंडों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने अनिल रतवाया व उसकी पत्नी राजरानी के साथ भी मारपीट की। साथ ही दुकान में तोड़फोड़ करते हुए काफी नुकसान किया। कुंदन लाल ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने घनश्याम तंवर के घर पर भी हमला करते हुए कार के शीशे तोड़ दिए और घर की खिड़कियों के कांच भी तोड़े। भूपेंद्र सोलंकी के घर पर भी ईंटें मारी। वहीं, राहुल के साथ मारपीट करते हुए उसके स्कूटर को भी तोड़ा गया। उनके ऊपर हमला चुनावी रंजिश रखते हुए अमित बिढ़लान ने करवाया है, जिसकी पत्नी रेणुका बिढ़लान चुनाव हार गई थी। पीड़ति कुंदनलाल ने बताया कि आरोपियों ने मारपीट करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी है, जिस कारण पूरा परिवार डरा हुआ है। मारपीट में घायल कुंदनलाल को इलाज के लिए पीजीआई के ट्रोमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुराना सब्जी मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को संभालने का प्रयास किया। इस दौरान हमलावरों ने पुलिस कर्मियों पर भी हमला कर दिया, जिसमें पुलिसकर्मियों ने भागकर अपनी जान बचाई। एक गाड़ी के शीशे तोड़े और जमकर हंगामा किया। कुंदनलाल ने बताया कि हमले के पीछे चुनावी रंजिश है। वार्ड तीन से अमित की पत्नी चुनाव लड़ रही थी।

रोहतक। गाड़ी के शीशे तोड़ता आरोपी एवं व्यक्ति पर वार करते हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

घायल कुंदनलाल।

आरोपियों की तलाश की जा रही

गढ़ी मोहल्ला में कुछ युवकों द्वारा हंगामा करने की सूचना मिली थी। मौके पर पुलिस पहुंची तो हमलावरों ने उनके ऊपर भी हमला कर दिया। जिसमें पुलिसकर्मियों ने भाग कर जान बचाई। बाद में हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। - **महेश कुमार**, एएसआई, जांच अधिकारी

पुलिस को दौड़ाया

कुंदनलाल व अन्य लोगों पर चुनावी रंजिश के चलते हमला करने की पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि कैसे पुलिस को भी दौड़ाया गया। गाड़ियों के शीशे तोड़े और दुकानदार के साथ मारपीट की गई। हमलावरों का पूरा हंगामा सीसीटीवी में कैद है।

फ्लाईओवर निर्माणधीन कार्य के दौरान कार टकराई

हादसे में दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव भाली आनंदपुर के पास फ्लाईओवर निर्माणधीन कार्य के दौरान एक कार हादसाग्रस्त हो गई, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। वहीं, परिजनों ने मौके पर पहुंचकर फ्लाईओवर का निर्माणधीन कंपनी के खिलाफ शिकायत दी है। बहुअकबरपुर थाना पुलिस को दी शिकायत में सतबीर सिंह ने बताया कि वह गांव सुरखपुर कलां दिल्ली का रहने वाला है। मेरे पास दो बच्चे हैं, जिनमें एक लड़का व एक लड़की दोनों शादी शुदा है। छोटा लड़का सुमीत मारुति में नौकरी करता था। 14 मार्च को मेरी रिश्तेदारी में एक लड़का अमनदीप निवासी नजफगढ़ दिल्ली घर पर आया था। सुमीत डागर व अमनदीप अपनी सैंट्रो को लेकर अमनदीप की बहन के घर हिसार जाने के लिए बोल कर निकले थे। 15 को सूचना मिली कि अमनदीप की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया है।

जिसमें अमनदीप व सुमित की मौत हो गई।

हादसे में कंपनी की लापरवाही सामने आई

सतबीर सिंह ने पुलिस को बताया कि मैंने परिजनों के साथ मौके पर जाकर देखा तो मुझे पता चला कि नजदीक भाली आनंदपुर शुगर मिल के पास माड़ौदी चौक पर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा है। जो दिल्ली से हिसार की तरफ फ्लाईओवर पर चढ़ते समय का रास्ता बंद किया हुआ है, जहां पर पत्थर के दो ब्लाक सड़क के बीच में रखकर रास्ता बंद किया हुआ है। लेकिन निर्माण करने वाली कंपनी द्वारा सभी नियमों की पालना नहीं किया गया। कंपनी द्वारा कोई भी रिफ्लेक्टर नहीं लगाया हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माणधीन कंपनी द्वारा फ्लाई ओवर बनाते समय सभी नियमों की पालना न करने के कारण मेरे लड़के सुमित व अमनदीप की सड़क हादसे में मौत हुई है।

आयकर विभाग अधिकारी को सीबीआई ने पकड़ा

रोहतक। सीबीआई ने रिश्वत लेने के मामले में एक आयकर अधिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आयकर अधिकारी ने नोटिस के संबंध में रुपयों की मांग की थी। सीबीआई की टीम आरोपी को काबू कर अपने साथ ले गई। आयकर अधिकारी हेमंत पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि दिल्ली के नेताजी सुभाष पैलेस में 62 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति से 50 हजार रुपए रिश्वत ली गई है। आरोपी ने अपनी पहचान छुपाने के लिए अपना नाम संजय कुमार बताया था। सीबीआई टीम ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ 9 मार्च को मामला दर्ज किया था।

शिकायतकर्ता की बेटी ने शिकायत में बताया कि उसके पिता के पास 5 फरवरी को नई दिल्ली में आयकर विभाग से संजय कुमार नामक व्यक्ति का व्हाट्सऐप कॉल आया था। एक करोड़ रुपए के लिए एक मांग नोटिस जारी होने वाला था, जिसके लिए आरोपी ने रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने बताया कि 5 लाख रुपए रिश्वत की मांग की थी, जो बाद में 2 लाख रुपए में मामला तय किया गया। इसमें से 50 हजार रुपए दिल्ली के नेताजी सुभाष पैलेस में लिए गए। इस दौरान सीबीआई ने आरोपी को गिरफ्त में ले लिया।

होटल पर खड़े ट्रक में लगी आग, ड्राइवर जिंदा जला

- हादसे में लुधियाना निवासी कुलदीप सिंह की मौत, आग कैसे लगी, इसकी जांच करेगी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम के पास एक होटल पर खड़े ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगने से ट्रक में बैठा ड्राइवर जिंदा जल गया। ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान लुधियाना निवासी कुलदीप सिंह पुत्र प्रीतम सिंह के रूप में हुई है। वीरवार को दिन में एक आइसर कैंटर राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर दिल्ली रोहतक रोड पर बहलबा गांव के पास जय जवान फैमिली ढाबे पर आकर रुका था। होटल मालिक रमेश कुमार ने बताया कि यह गाड़ी वीरवार को दिन में लगभग एक बजे आकर रुकी थी। दिन में यह गाड़ी यहीं खड़ी रही, उसके बाद शाम को उसने ड्राइवर से गाड़ी ले जाने के लिए कहा । ड्राइवर ने कहा कि वह नहीं जा रहा। उसके बाद रात को करीब एक बजे ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद आस पास के लोग एकत्रित होकर आग को बुझाने लगे।

सबमर्सिबल से आग को बुझाने का प्रयास किया

महम। ट्रक में लगी आग और ट्रक के अंदर धू-धू कर जलता ट्रक ड्राइवर।

होटल से सबमर्सिबल चलाकर आग को बुझाने का प्रयास किया गया। आग की सूचना महम थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन केंद्र की गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकल वाहन पहुंचने से पहले ही आग पर काबू पा लिया गया था। आग बुझने के बाद देखा तो गाड़ी में ड्राइवर का शव भी अंदर ही जल गया है। शव को महम नागरिक अस्पताल में ले जाया गया। जहां से शव पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए रोहतक पीजीआई भेज दिया। मृतक की पहचान आधार कार्ड के आधार पर ही हुई है। ट्रक में आग कैसे लगी और ट्रक ड्राइवर होटल मालिक के वहां से जाने के कहने के बाद भी यहां पर क्यों रुका हुआ था, यह जांच का विषय है। एएसआई सोनू ने बताया कि शव को कब्जे में ले लिया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। यह हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जाएगी।

जींद रोड पर कार और बाइक की टक्कर

युवक की मौत, परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव टिटौली के पास जींद रोड पर एक कार व बाइक की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार युवक की मौत हो गई। इसकी सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। वहीं देर रात परिजनों ने रोड जाम कर दिया। जिन्हें डीएसपी ने मौके पर पहुंच कर समझाया। जींद रोड गांव टिटौली के पास बाइक सवार युवक अपने घर जा रहा था। इसी दौरान बाइक व कार की टक्कर हो गई। टक्कर लगने के कारण बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय भूपेंद्र निवासी गांव समर गोपालपुर के रूप में हुई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि कार का पता लगाया जा सके। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है। वहीं, मृतक भूपेंद्र के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया। परिजनों का कहना है कि भूपेंद्र को जानबूझ कर मारा गया है, जिसे सड़क हादसे का रूप दिया जा रहा है। पुलिस ने मामले में मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए है।

रोहतक। मौके पर जांच करते हुए एफएसएल एक्सपर्ट डॉ.सरोज दहिया व पुलिस अधिकारी। और मौके पर जमा भीड़। *फोटो : हरिभूमि*

केस की जांच शुरू

कार व बाइक के बीच टक्कर हो गई। इसकी सूचना पुलिस को राहगीरों ने दी। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान भूपेंद्र के रूप में हुई। मौके पर एफएसएल एक्सपर्ट को बुलाया गया। पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की।

-*सुरेश*, इंचार्ज, टिटौली पुलिस चौकी

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 ×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

चुनाव रोहतक बार एसोसिएशन चुनाव 17 को, तैयारियां तेज

वोटर लिस्ट फाइनल, 2704 अधिवक्ता करेंगे मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला बार एसोएशिन में 17 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। बार काउंसिल ऑफ पंजाब एवं हरियाणा की तरफ से वोटर लिस्ट फाइनल कर दी गई है। अब 2704 अधिवक्ता चुनाव में भाग ले सकेंगे। उप प्रधान, महासचिव, संयुक्त सचिव और लाइब्रेरियन के पद पर चुनाव करवाया जाएगा। प्रधान पद पर पहले ही चुनाव हो चुका है। चुनाव की तारीख नजदीक होने के चलते उम्मीदवार प्रचार में जुटे हुए हैं। हाल ही में बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा की तरफ से पत्र जारी किया गया था जिसमें चुनाव की तारीख तय की गई थी।

इनके बीच मुकाबला

उप प्रधान पद के लिए सुशीला देवी, संदीप खत्री, अभीजीत चौधरी और अजय ओहल्यान मैदान में हैं। महासचिव पद के लिए हर्षवर्धन मलिक, कर्ण नारंग, राजकर्ण पंघाल में मुकाबला है। संयुक्त सचिव के लिए साक्षी लांबा, डिंपल और ज्योति चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि लाइब्रेरी इंचार्ज के लिए अनिल कुमार, मंजीत सिंह और अशोक कुमार और साहिल अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

आठ बजे मतदान शुरू होगा

जिला बार एसोसिएशन के हॉल में मतदान केंद्र बनाया गया है। जहां सुबह साढ़े सात बजे मौक पोल करवाया जाएगा। इसके बाद आठ बजे मतदान शुरू किया जाएगा। जो शाम पांच बजे तक चलेगा। इसके बाद मतगणना कर परिणाम जारी कर दिया जाएगा।

सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी

चुनाव अधिकारी ने बताया कि मतदान केंद्र के बाहर पुलिस तैनात रहेगी। इसके अलावा तीन बूथ बनाए जाएंगे, हर बूथ में चार ईवीएम लगाई जाएंगी। सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। चुनाव पूरी पारदर्शिता से करवाए जाएंगे।

बाहरी आदमी मिला तो पुलिस को सौंपेंगे

चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि मतदान के दौरान केवल अधिवक्ता ही परिसर में मौजूद रहेंगे। कोई बाहरी व्यक्ति मिला तो कार्रवाई करने के लिए उसे पुलिस को सौंप दिया जाएगा। साथ ही अधिवक्ता पहचान पत्र एवं आधार कार्ड के साथ ही मतदान केंद्र में दाखिल होंगे, कोई पहचान पत्र नहीं होने पर मतदान नहीं करने दिया जाएगा। वोटर लिस्ट के विवाद के चलते 28 फरवरी को होने वाला चुनाव टल गया था। जिसके बाद प्रधान पद के उम्मीदवार दीपक हुड्डा को प्रधान नियुक्त किया गया था।

चुनाव परिणाम उसी दिन घोषित होगा

चुनाव को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही हैं। वोटर लिस्ट फाइनल कर दी गई है। 2704 अधिवक्ता मतदान कर सकेंगे। 17 मार्च को मतदान होगा और शाम को परिणाम जारी किया जाएगा। प्रशासन की तरफ से ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

प्रदीप मलिक, चुनाव अधिकारी।

आज के दौर में अकसर देखा जाता है कि अधिकतर युवा आपस में बातचीत के दौरान भाषा की मर्यादा का ध्यान नहीं रखते हैं। वे अपनी पर्सनालिटी को बिंदास दिखाने के लिए प्रायः ऐसा करते हैं। सच्चाई यह है कि इससे न केवल उनकी सोशल इमेज बिगड़ती है, वर्कप्लेस पर आगे बढ़ने की राह में भी ऐसी भाषा रुकावटें पैदा करती है। इसलिए संवाद के दौरान सजग रहना जरूरी है।

आपसी संवाद की भाषा हो मर्यादित-सकारात्मक-मधुर

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

वर्चुअल दुनिया में परोसे गए कंटेंट की अमर्यादित भाषा को लेकर चल रही बहस के बीच हर किसी के लिए सभ्य शब्दों का महत्व समझना आवश्यक है। आभासी संसार से कहीं ज्यादा, असली दुनिया में सधी संतुलित अभिव्यक्ति जरूरी है। खासकर कूल बनने और कमाल का व्यक्तित्व हो जाने की भूल-भुलैया के इस दौर में युवाओं को यह बात समझनी ही होगी। जरूरी है कि अपने वर्कप्लेस पर भी शब्दों की सभ्यता का दामन थामे रहें। सधी छवि और सफल भविष्य के लिए वर्कप्लेस पर सभ्य भाषा बहुत मायने रखती है।

शब्दों से जुड़ा सम्मान

काम-काजी संसार में किसी भी तरह के लिखित या मौखिक बातचीत में असभ्य शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें। किसी भी परिस्थिति में न तो असभ्य शब्द लिखें और न ही बोलें। ध्यान रहे कि आपके शब्दों से स्वयं का सम्मान भी जुड़ा है। यह न भूलें कि दूसरों के मन और मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्द इस्तेमाल करने वाले खुद भी किसी से इज्जत नहीं पाते हैं। बावजूद इसके ऑफिस में भी ह्यूमर के नाम पर किसी सहकर्मी या सहायक स्टाफ की हंसी उड़ाने की गलती बहुत से लोग करते हैं। इस तरह के असामान्य और कुंठाग्रस्त व्यवहार के घेरे में आने से बचने के लिए पहले ही कदम पर सजगता जरूरी है। वरना जाने-अनजाने कुछ भी कह-सुना देने की आदत बनती जाती है। बिना सोचे-समझे मुंह से अभद्र शब्द निकलने लगते हैं। करियर को नुकसान पहुंचाने वाली यह आदत खुद आपको भी एक कुंठित व्यक्तित्व ही देती है। जोश भरे युवाओं को हर पल याद रखना चाहिए कि काम-काजी दुनिया में अनुशासित रहना बहुत आवश्यक है। अच्छी भाषा, इसी अनुशासन का हिस्सा है। अनुशासन के दायरे में रहते हुए सदा सकारात्मक ढंग से बातचीत करने की राह चुनने में ही समझदारी है। किसी के साथ भी असभ्य संवाद करने से पहले याद रखिए कि ये शब्द स्वयं आपके सम्मान से भी जुड़े हैं।

इमेज पर पड़े बुरा प्रभाव

बातचीत में इस्तेमाल होने वाले अभद्र शब्द, इंसान की बॉडी लैंग्वेज भी बिगाड़ देते हैं। बोलने वाले के हाव-भाव को भी नेगेटिव रंगत में ढाल देते हैं। शब्दों पर कंट्रोल न करना, इंसान की बॉडी लैंग्वेज को अजीबो-गरीब बना देता है। समझना मुश्किल नहीं कि ऐसी सभी बातें व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करती हैं। जो सीधे-सीधे वर्कप्लेस पर आपकी इमेज बिगाड़ने वाली साबित होती हैं। वहीं सोच-समझकर बोलना, न केवल आपका फर्स्ट इंप्रेशन पॉजिटिव बनाता है बल्कि आगे भी आपकी सकारात्मक छवि को कायम रखता है। सोशल लाइफ हो या प्रोफेशनल, सोशल एटिकेट्स हमेशा मायने रखते हैं। आपको यह समझना चाहिए कि बातचीत में गलत शब्दों का चुनाव, आपको असहयोगी और अकड़ू व्यक्ति का तमगा दिलाने वाला बर्ताव साबित हो सकता है।

बेहतरी के लिए सही भाषा जरूरी

काम-काजी दुनिया में आपसे जुड़े सीनियर हों या जूनियर, सही सोच और अच्छे मैनर्स से सबका दिल जीता जा सकता है। स्पष्ट है कि इससे करियर में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है। बेहतर प्रोजेक्ट्स आपके हिस्से आते हैं। इतना ही नहीं सभ्य भाषा और सधा बर्ताव कई बार आपको किसी तकलीफ में फंसने से भी बचा लेता है। सहकर्मियों के साथ किया गया मीनिंगफुल और माइंडफुल संवाद काम-काज के लिए पॉजिटिव परिवेश बनाता है, जिसके चलते लोगों का दिल जीतने के साथ-साथ कामयाबी भी आपके हिस्से आती है। मन जीतने के इन सभी मोर्चों पर अच्छी भाषा सबसे ज्यादा मायने रखती है। असल में देखा जाए तो सकारात्मक शब्दों और सभ्य बोलचाल के प्रभाव का यह सिलसिला इंटरव्यू से ही शुरू हो जाता है। बावजूद इसके युवाओं की अजीबो-गरीब भाषा शैली आज चिंता का विषय बन गई है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि आमतौर पर युवा बेझिझक अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इस बर्ताव के पीछे मौजूद साइकोलॉजिकल कारण बताते हैं कि आज की युवा पीढ़ी बोलने या करने से पहले कुछ नहीं सोचती। साथ ही वे इस बात से भी प्रभावित नहीं होते कि कोई उनके बारे में क्या सोचेगा? या उनके बोले शब्दों का किसी पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सच्चाई यह है कि जीवन का कोई पक्ष, अशिष्ट शब्दों के नकारात्मक असर से नहीं बच पाता है। जरूरी है कि युवा आज के दौर में बढ़ती शाब्दिक अभद्रता की संस्कृति से बचें। दफ्तर में भावों, विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए संयत और सभ्य शब्दों का चुनाव करें। सधे व्यक्तित्व की सौगात देने वाला यह व्यवहार आपके लिए सदा ही बेहतरी के मार्ग खोलने वाला साबित होगा। *

संवाद से जुड़ा कारगर फॉर्मूला

प्रसिद्ध शोधकर्ता अल्बर्ट मेहराबियन द्वारा दिए गए 55-38-7 का फॉर्मूला बताता है कि कम्युनिकेशन 55 फीसदी नॉन वर्बल (शारीरिक भाषा यानी हाव-भाव) और 38 प्रतिशत वोकल (स्वर के द्वारा) होता है। संवाद में सिर्फ 7 फीसदी हिस्सा ही वर्बल यानी शब्दों से प्रकट होता है कि आप वास्तव में क्या कहते हैं? ऐसे में मजाक हो या प्रतिक्रिया देना, गलत शब्दों का इस्तेमाल आपकी अभिव्यक्ति की पूरी शृंखला ही बिगाड़ सकता है। इसलिए हर किसी को संवाद के दौरान अपने शब्दों के इस्तेमाल को लेकर पूरी तरह सजग रहना चाहिए।

इन दिनों आप अकसर बातचीत के दौरान अलग-अलग पीढ़ियों के लिए कुछ खास नाम सुनते होंगे, जैसे जेन एक्स, मिलेनियल, जेन जेड, बेबी ब्लूमर्स आदि। आपके मन में सवाल उठता होगा कि आखिर ये नाम कैसे रखे जाते हैं? इनकी क्या विशेषताएं हैं? आइए, इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं।

एक-दूसरे से अलग-अनोखी है हर जेनरेशन की कहानी

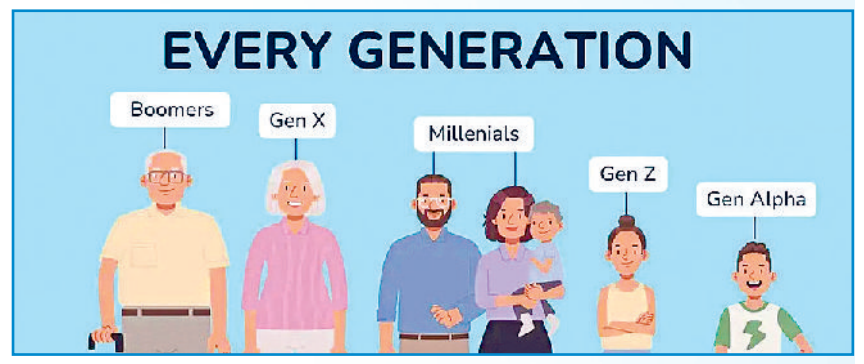

सोशल ट्रेंड
शिखर चंद जैन

एक समय तक आम चलन में नई और पुरानी पीढ़ी का ही जिक्र किया जाता रहा है। लेकिन अब अलग-अलग पीढ़ी को अलग नामों से भी जाना जाता है। इनका चलन हाल के सालों में तेजी से बढ़ा है।

कैसे तय होता है पीढ़ियों का नामः पीढ़ियों का नाम तय करना, श्रमसाध्य, विचारपरक और कई चीजों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। यह एकेडमिक अनुसंधान, मीडिया के प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव पर निर्भर करता है। जनसांख्यिक और समाजशास्त्री जनसंख्या सर्वेक्षणों, जन्म दरों और सामाजिक परिवर्तनों की पहचान के आधार पर ये नामकरण करते हैं। हां, इसे लोकप्रिय और प्रचलित करने का काम मीडिया का होता है।

नया ट्रेंड है पीढ़ियों का नामकरणः पीढ़ियों के नामकरण और श्रेणीबद्ध करने की परंपरा बहुत पुरानी नहीं है। 20वीं सदी की शुरुआत में इसका चलन शुरू हुआ है। इस वक्त जनसांख्यिकों और समाजशास्त्रियों ने जनसंख्या का विश्लेषण और सामाजिक बदलाव को दर्ज करना शुरू कर दिया था। पीढ़ियों के नाम महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक घटनाओं, विभिन्न आयु वर्ग की आदतों और समय विशेष पर आधारित होने लगे। अब आपको बताते हैं, अब तक की अलग-अलग पीढ़ियों के नामकरण के बारे में।

बेबी बूमर्सः वर्ष 1946 से 1964 के बीच जन्मे बच्चों को बेबी बूमर्स कहा गया। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक बेबी बूम आया था, जब दुनिया में जन्म दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस पीढ़ी ने 60 के दशक के बड़े सामाजिक परिवर्तन देखे। इसी दौरान कार्पोरेट जगत का उदय हुआ और और लोगों की जीवनशैली पर इस संस्कृति का खासा प्रभाव पड़ा। उस दौर के लोग आज सीनियर सिटिजन हो चुके हैं।

जेनरेशन एक्सः 1965 से 1980 के बीच जन्मे बच्चे, जेनरेशन एक्स कहलाते हैं। इस दरमियान समाज में कोई उल्लेखनीय और व्यापक परिवर्तन नहीं हुए। यद्यपि उस पीढ़ी के बच्चों ने पर्सनल कंप्यूटर का उद्भव होते देखा है। उस दौर के लोग अब मिड एज क्रॉस कर ओल्ड एज की ओर बढ़ रहे हैं।

मिलेनियल/जेन वाईः 1981 से 1996 के बीच जन्मे बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। उस पीढ़ी के लोगों ने 'मी जेनरेशन' या 'ईको बूमर्स' भी कहा जाता है। उस पीढ़ी को अपने में ही डूबे रहने, एकलवाद, डिजिटल टेक्नोलॉजी की जानकार और आर्थिक रूप से संपन्न माना गया। ये पीढ़ी मैटीरियल पजेजन से ज्यादा एक्सपीरियंस को महत्व देती थी।

जेनरेशन जेडः 1990 के मध्य से 2010 तक के दशक की शुरुआत तक जन्मी पीढ़ी को जेन जेड कहा जाता है। इस पीढ़ी को इसकी ग्लोबल कनेक्टिविटी और एंटरप्रेन्योरल स्पिरिट के लिए जाना जाता है। इन्हें कहीं-कहीं आई जेनरेशन और डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है। इस पीढ़ी के बच्चे स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और सूचनाओं के त्वरित ग्रहण और उसे दूसरों तक प्रसारित करने के लिए जाने जाते हैं। ये पीढ़ी अभी युवावस्था से गुजर रही है।

जेनरेशन अल्फाः 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे जेनरेशन अल्फा के बच्चे कहलाते हैं। अल्फा 21वीं सदी की पहली पीढ़ी कही जा सकती है। यह पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑगमेंटेड रियलिटी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साए में जन्मी, पली और बड़ी हुई है। उनकी शिक्षा, खेलकूद, एंटरटेनमेंट सब कुछ टेक्नोलॉजी से अत्यधिक प्रभावित है। यह पीढ़ी अभी टीनएज से गुजर रही है। इसके बाद इसी साल एक जनवरी 2025 के बाद से जन्म लेने वाली पीढ़ी को जेन बीटा का मेंबर माना जा रहा है। इनके जीवन के हर पक्ष में तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव दिखेगा।

एक पीढ़ी के गुणों में समानताः यह एक जटिल प्रश्न है कि क्या दुनिया भर में जन्मे एक पीढ़ी के लोगों में समानता होती है? यह काफी कुछ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घटने वाली घटनाओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, वातावरण एवं सामाजिक ढांचे पर निर्भर करता है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट युग में जन्मी ग्लोबल युवा पीढ़ी के बहुत सारे गुण और आदतें लगभग एक समान होते हैं। *

क्या है सैंडविच पीढ़ी

सैंडविच पीढ़ी का अर्थ मध्यम आयु वर्ग यानी 45 से 55 वर्ष के इर्द-गिर्द के व्यक्तियों से है। इन पर अपने बुजुर्ग माता-पिता और युवा बच्चों दोनों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी है। सैंडविच पीढ़ी का नाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि वे अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के दायित्व और किशोरावस्था से युवा होते बच्चों की नई-नई फरमाइशों और चाहतों के बीच 'सैंडविच' जैसी स्थिति में होते हैं। ये कम ऊर्जावान, थके-थके से या बीमारियों से जूझने वाले हो सकते हैं। विभिन्न कार्य करने में असमर्थ हो सकते हैं या इनका वित्तीय रुप से अकसर हाथ तंग हो सकता है। इन्हें इस उलझन से गुजरना पड़ता है कि मां-बाप के लिए दवा और तीर्थाटन की व्यवस्था करें या बच्चों को महंगे गैजेट्स और ब्रांडेड कपड़े खरीदकर दें।

गजल
अब्दुल कलाम

हम अमर होते

सुबह शाम उनकी नजर होते
आइना काश हम अगर होते

तुरबतें अपनी भी बाकमाल होती
हम जो मीर, गालिब या जफर होते

खत में पता ही गलत था वरना
गए हम भी उनके शहर होते

बैठ जाते घनी छांव में थक कर
हमारे जीवन का जो तुम शजर होते

तुम्हारी याद में जीते और याद में
मर कर भी हम अमर होते

तुमने देखा ही नहीं उस रोज का अखबार
वरना हमारे हाल से तुम बाखबर होते

छोटी कहानी
सुनील कुमार महला

शर्मिंदा

ऑटो रिक्शा में अनिल के बगल में आकर वह व्यक्ति जैसे ही बैठा, उसने अपना एक हाथ अनिल के बैग पर रख दिया। अनिल ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन उस आदमी ने हाथ रखने की जो वजह बताई, अनिल खुद पर शर्मिंदा हो गया।

रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा अनिल, बस स्टैंड जाने के लिए ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था। तभी एक ऑटो रिक्शा वाला तीस रुपए में बस स्टैंड जाने के लिए तैयार हो गया। अनिल ने अपने दो भारी-भरकम बैग ऑटो रिक्शा में रखे और स्वयं भी उसमें सवार हो गया। ऑटो रिक्शा में अनिल अकेला ही बैठा था। जब कोई अन्य सवारी ऑटो में बैठने नहीं आई तो उसने अपने एक बैग को ऑटो रिक्शा की सीट पर ही रख दिया, ताकि पैरों के पास सामान रखने से उसे ऑटो रिक्शा में बैठने में कोई दिक्कत-परेशानी न हो। शाम का समय था, ठंडी हवाएं चल रही थीं, इसलिए अनिल ने अपने चेहरे को मफलर से ढंक रखा था। ऑटो रिक्शा वाला अभी एक अन्य सवारी के इंतजार में था। थोड़ी देर में एक लंबा व्यक्ति, जो कंबल ओढ़े हुआ था, बस स्टैंड जाने के लिए उसी ऑटो रिक्शा के पास आया। ऑटो रिक्शा वाले ने उस व्यक्ति को भी ऑटो में बिठाया। वह लंबा व्यक्ति ऑटो रिक्शा में उस साइड में बैठ गया, जिधर सीट पर अनिल का सामान से भरा हुआ भारी-भरकम बैग रखा हुआ था। ऑटो रिक्शा में सवार होते ही कंबल ओढ़े हुए उस व्यक्ति ने अपना दायां हाथ बैग के ऊपर रख दिया और संभल कर बैठ गया। ऑटो रिक्शा वाला गंतव्य की ओर चल पड़ा। तभी अनिल ने ऑटो रिक्शा में बैठे उस व्यक्ति की ओर देखते हुए थोड़ा गुस्से में कहा, 'भाई साहब! जरा ध्यान से बैठें और हां, बैग को इतना दबाव देते हुए न पकड़ें। दरअसल, बैग में बच्चों के लिए कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है और आपके हाथ के दबाव से इसमें रखा सामान टूट सकता है।'

कंबल ओढ़े हुए वह व्यक्ति अनिल की बात सुनकर एकदम से सकपका गया, उसने अनिल से कहा, 'अरे भाई साहब मुझसे गलती हो गई! मुझे नहीं पता था कि इसमें आपका कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है। दरअसल, वो क्या है कि मेरा एक ही हाथ है न! ऑटो रिक्शा जब ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेजी से चलता है, तब एकदम से ऑटो रिक्शा में अपना बैलेंस बनाना मुश्किल होता है इसलिए, थोड़ा सहारा लेने के लिए, भूलवश मैंने आपके सामान से भरे बैग पर अपना हाथ रख दिया। इसके लिए मुझे माफ कर दीजिए, मैं बहुत शर्मिंदा हूं।' उस व्यक्ति की ये बातें सुनकर अनिल उसे एकटक देखता ही रह गया। दरअसल, अनिल ने कंबल ओढ़े व्यक्ति को ऑटो रिक्शा में बैठते समय एकबारगी देखा जरूर था, लेकिन उस व्यक्ति के कंबल ओढ़े रहने के कारण सुनील को इस बात का अहसास ही नहीं हुआ था कि जो व्यक्ति ऑटो में उसके साथ बैठा था, उसके एक ही हाथ है। अनिल अब अपने रूखे बर्ताव पर मन ही मन शर्मिंदा महसूस कर रहा था। *

लघुकथा
गोविंद भारद्वाज

बदलते हुए मायने

अपने बेटे के लिए सोनाक्षी को देखने आईं सावित्री ने कहा, 'आपकी बेटी सोनाक्षी हमें बहुत पसंद है, बस अब आपकी हां की जरूरत है।'

'हमारी तो हां है बहन जी... इसलिए तो आपको लड़की दिखाने के लिए बुलाया है।' पार्वती ने खुश होकर जवाब दिया।

'तो देर किस बात की है... मुंह मीठा कराइए...' सावित्री ने तपाक से कहा।

इस पर पार्वती ने विनम्रता से कहा, 'बहनजी रिश्ता पक्का करने से पहले दान-दहेज की भी खुल के बात कर लें तो ठीक रहेगा... ताकि आगे चलकर संबंधों में कोई खटास न आए।'

'बात तो आप ठीक कह रही हैं। इस बारे में मेरी राय यह है कि दहेज से तो हमें सख्त नफरत है... हां रही दान की बात, आप जितना भी देंगे अपनी इकलौती बिटिया को देंगे... इससे हमें कोई ऐतराज नहीं होगा।' सावित्री ने अपने मन की बात कही।

इस पर सोनाक्षी के पिताजी ने अपनी धर्मपत्नी पार्वती को दूसरे कमरे में बुलाया और उनसे धीरे से कहा, 'देखा पार्वती... कितनी चालाक हैं ये... दहेज से नफरत है और दान से नहीं... बातों-बातों में शब्दों के हेर-फेर से दहेज लेने की बात भी कह दी।'

पार्वती बोली, 'तुम ठीक कह रहे हो सोनाक्षी के पापा... मायने में तो दान और दहेज कोई अलग-अलग शब्द नहीं हैं।'

'क्या बातचीत हो रही है हमारे समधी-समधन में...' सावित्री ने उन्हें फुसफुसाते देखकर बाहर वाले कमरे से पूछा।

'कुछ नहीं बस, हम दुनिया के बदलते हुए मायने पर विचार कर रहे थे।' पार्वती ने जवाब दिया। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मोहब्बत की दास्तानें

सारी दुनिया में मोहब्बत पर अब तक असंख्य कहानियां लिखी जा चुकी हैं। लेकिन यह ऐसा एहसास है, जिसे हर कोई अपनी तरह से महसूसता है, उसे बयां करता है। यह एहसास, वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय द्वारा लिखी गई पंद्रह प्रेम कहानियों के संकलन 'मितऊ' की कहानियों से गुजरते हुए और पुख्ता होता है। इन कहानियों में अलग-अलग उम्र और परिवेश के पुरुष और स्त्री के बीच पनपे प्यार के जज्बातों को पूरी संजीदगी से व्यक्त किया गया है। संग्रह की 'विकल्प' कहानी को अगर छोड़ दिया जाए तो अधिकतर में प्यार अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाता है। या कहें, सभी में अलग-अलग भावभूमि और जीवन-परिस्थितियों के आगे विवश, प्रेमी युगल विरह की टीस के साथ एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं। इन कहानियों की विशेषता यह भी है कि इनके नायक-नायिकाओं में कहीं भी देहासक्ति नजर नहीं आती है, प्रेम की पवित्र भावना की गरिमा बनाए रखना उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसे कई कहानियों में देख सकते हैं। फिर वो चाहे 'मेज नंबर सात' का लाइब्रेरियन हो या 'चौथे पहर का विरह गीत' का पत्रकार, प्रेम की मर्यादा को कभी नहीं लांघते हैं। यही इन कहानियों की खूबसूरती भी है, जो इन्हें बेहद पठनीय बना देती है। *

पुस्तकः मितऊ (कहानी संग्रह), **लेखकः** गोविंद उपाध्याय, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात का दुबई शहर, पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती और आधुनिक सुख-सुविधाओं के लिए जाना जाता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए शहर की व्यवस्थित प्लानिंग, प्रशासनतंत्र और स्थानीय लोगों का सामूहिक योगदान है। कुछ समय से दुबई में रह रहे लेखक ने वहां की खासियतों को स्वयं अनुभव किया है। उसी को बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

आधुनिकता-विविधता को समेटे शानदार-खूबसूरत शहर दुबई

बेमिसाल

जोगिंदर रोहिल्ला

दुनिया के कई देशों में रहने और काम करने का अनुभव मुझे मिलता रहा है। फिलहाल दुबई में हूं। इस शहर की कई विशेषताएं ऐसी हैं, जो इसे दुनिया भर से अलग बनाती है। यह शहर आधुनिकता, विविधता और स्वच्छता का अनोखा संगम कहा जा सकता है। इस शहर की सड़कों से गुजरते हुए, मुझे इसकी हरियाली, चमचमाती गगनचुंबी इमारतें और अनुशासित जीवनशैली बहुत प्रभावित करती है। 'हरियाली' शब्द पढ़कर आप चौंक तो नहीं गए! दुबई तो संयुक्त अरब अमीरात में है, जो रेगिस्तानी इलाके के रूप में जाना जाता है। तो यहां हरियाली कैसे? शुरू-शुरू में मुझे भी यही आश्चर्य हुआ था, लेकिन सच यह है कि यहां के बहुत से रिहायशी इलाके बहुत ही व्यवस्थित ढंग से हरे-भरे नजर आते हैं।

इमारतों-सड़कों का आकर्षण: दुबई अपनी गगनचुंबी इमारतों और अद्वितीय वास्तुकला के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बुर्ज खलीफा, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है, दुबई की पहचान बन चुकी है। लेकिन यही नहीं इस शहर की लगभग हर ऊंची इमारत में कोई न कोई ऐसी खासियत है, जो इसे अलग बनाती है। ये खूबसूरत-गगनचुंबी इमारतें न केवल आधुनिकता का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे दुबई का भविष्य भी झांकता दिखाई देता है। दुबई शहर की मुख्य सड़क शेख जायद रोड, जिसके दोनों ओर शानदार इमारतें हैं, ऐसा स्थान है, जो शहर की गतिशीलता और ऊर्जा को भी दर्शाती है। रात के समय इमारतों की जगमगाती रोशनी और सड़कों पर दौड़ती गाड़ियां अत्याधुनिक शहर का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

मन मोहती स्वच्छता: दुबई में कदम रखते ही सबसे पहली बात, जो ध्यान आकर्षित करती है, वह है यहां की बेहतरीन स्वच्छता। चारों तरफ इतनी सफाई रहती है कि आप हैरान हो जाएंगे। मैं दुबई मरीना एरिया में कुछ दिन रहा और नोट किया कि सूरज निकलने से काफी पहले ही म्युनिसिपेलिटी के सफाई कर्मचारी अपने काम में लग जाते हैं और निश्चित करते हैं कि सफाई में कोई भी कमी न रहे। दुबई का हर कोना मानो, यह संदेश देता है कि स्वच्छता ही असली सुंदरता है।

सभी करते हैं नियमों का पालन: यातायात संबंधी कोई परेशानी यहां नजर नहीं आती है। सभी यातायात नियमों का पालन करते हैं। इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए अगर आप सड़क पार करते समय निर्धारित स्थानों का उपयोग नहीं करते हैं तो आपको स्थानीय 400 दिरहम (एईडी) का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह न केवल लोगों को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि शहर की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखने में भी मदद करता है। बहुत सारे विकसित देशों की तरह ही दुबई में भी सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

सी-बीच के लाजवाब नजारे: दुबई के समुद्र तट भी इसकी खासियतों में से एक हैं। साफ-सुथरे और व्यवस्थित समुद्र तटों पर समय बिताना किसी जादुई अनुभव से कम नहीं होता है। मुझे विशेष रूप से दुबई की बीच लाइब्रेरी बहुत पसंद आई। समुद्र किनारे किताबें पढ़ने का अनुभव अनोखा और सुकून भरा होता है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि ज्ञानवर्धन का भी। इन तटों पर सुबह-सुबह की सैर और सूर्यास्त के समय का दृश्य मन को असीम शांति प्रदान करता है। दुबई स्थित मरीना बीच और जुमेराह बीच का साफ और व्यवस्थित वातावरण इसे और भी खास बनाता है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन भी किया जाता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

दिखती है अनेकता में एकता: दुबई शहर की एक विशेषता, यहां विविधताओं का अनोखा संगम भी है। यहां 100 से अधिक देशों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। अलग-अलग संस्कृति, भाषा और परंपराओं के बावजूद यहां के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। इतनी विविधता के बावजूद, दुबई एकता की मिसाल कायम करने वाला शहर है। यहां की दुकानों और बाजारों में विभिन्न देशों के व्यंजन और उत्पाद आसानी से मिल जाते हैं, जो इस सांस्कृतिक समृद्धि को और भी उजागर करते हैं।

हर जगह दिखती है सुचारु व्यवस्था: दुबई की सार्वजनिक सेवाएं भी बेजोड़ हैं। यहां की मेट्रो सेवा, बस सेवा और टैक्सी सेवा इतनी व्यवस्थित है कि किसी को भी यात्रा करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां का सार्वजनिक परिवहन इतना सुविधाजनक है कि आप बिना किसी परेशानी के शहर के कोने-कोने तक पहुंच सकते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली इतनी तेज और प्रभावी है कि समय का सम्मान हर जगह नजर आता है।

दुनिया के कई देशों में घूमने के बाद, दुबई ने मुझे यह सिखाया है कि जब विविधता, अनुशासन और स्वच्छता का संगम होता है, तो एक बेहतर शहर-समाज का निर्माण होता है। *

बेमिसाल है मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी

दुबई में कोई पुस्तकप्रेमी पर्यटक आए और मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी न जाए, यह तो हो ही नहीं सकता है। वैसे भी मैं दुनिया में जिस भी नए शहर जाता हूं, वहां की लाइब्रेरी जरूर देखता हूं। लेकिन मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी को देखकर यही कहने को दिल करता है कि ऐसी लाइब्रेरी कोई और नहीं है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग भी बुक शेप्ड है। यहां टेक्नोलॉजी और किताबों को बहुत ही अच्छे तरीके से एक जगह पर संजोया गया है। इस लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों पर बेशुमार पुस्तकें और उनके डिजिटल फॉर्मेट्स बुक लवर्स के लिए उपलब्ध हैं।

यादगार नए साल का स्वागत

इस साल दुबई में नए साल (वर्ष 2025) का स्वागत करना मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव रहा। मरीना बीच पर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन, संगीत और खुशियों की गूंज ने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। नए साल के मौके पर सड़कों पर उमड़ी भीड़ और हर चेहरे पर खुशी की चमक इस शहर की जिंदादिली का प्रतीक थी। उसे देखकर यही लगा कि यहां के उत्सवप्रेमी लोग खुशी के हर अवसर को उल्लास से भर देते हैं।

सेल्फ मोटिवेशन

अतुल मलिकराम

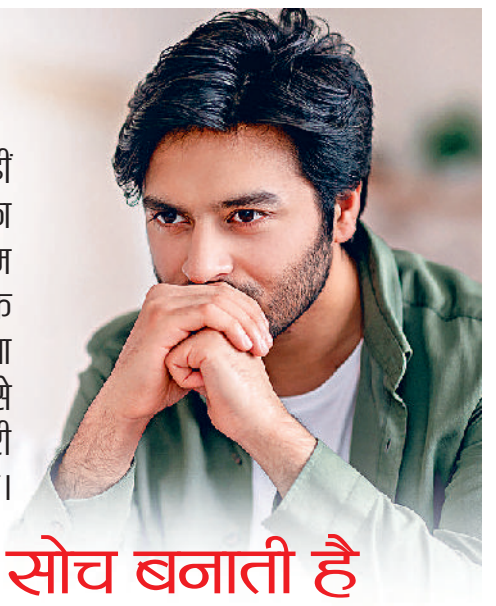

गरीबी केवल आर्थिक स्थिति नहीं होती है, यह एक मानसिकता का भी परिणाम होती है। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक अपनी स्थिति में बदलाव करना मुश्किल है। यह बदलाव कैसे संभव है, इसके लिए क्या जरूरी है, हमें जरूर जानना चाहिए।

पैसा नहीं सोच बनाती है हमें अमीर या गरीब

गरीबी, हमारे देश-समाज में एक ऐसी समस्या है, जिसे खत्म करने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किए गए। इसके लिए हर प्रकार की योजनाएं, कार्यक्रम और अभियान चलाए गए, फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं पाया जा सका। इसका एक कारण यह है कि इस समस्या को केवल एक आर्थिक स्थिति मानकर ही इसका हल खोजा जाता रहा है, जबकि यह समस्या केवल आर्थिक अभाव की स्थिति नहीं है, बल्कि इससे बढ़कर यह एक मानसिक स्थिति भी है।

सोच रखती है मायने: गरीब होना केवल पैसों की कमी का नाम नहीं होता है, बल्कि यह उस सोच का भी परिणाम है, जो किसी को गरीबी के जाल से बाहर निकलने से रोकती है। कई बार लोग गरीबी को केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके अनुसार, गरीबी मिटाने का समाधान केवल धन है। लेकिन, क्या सचमुच ऐसा है? यदि केवल आर्थिक मदद से गरीबी दूर हो सकती, तो अब तक दुनिया से गरीबी का नामो-निशान मिट चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

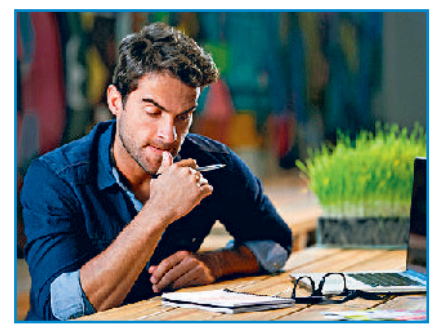

मानसिकता होती है जिम्मेदार: आर्थिक स्थिति के साथ-साथ गरीबी उस मानसिकता का परिणाम है, जिसमें इंसान अपने आप को परिस्थितियों का गुलाम मान लेता है। ऐसी सोच वाले लोग अपनी स्थिति को बदलने का प्रयास ही नहीं कर पाते। आपने कई बार देखा और सुना होगा कि कुछ परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी गरीब रहते हैं। इसका कारण केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वह मानसिकता है, जो उनकी हर पीढ़ी को विरासत में मिलती है। बच्चे अपने परिवार के वातावरण और सोच को आत्मसात कर लेते हैं। जब वे अपने माता-पिता को यह कहते सुनते हैं, 'हम तो हमेशा से गरीब हैं', या 'गरीबी के साए में पलना-बढ़ना ही हमारी किस्मत में है', तो उनके मन ही नहीं, बल्कि जीवन में भी यही विश्वास घर कर जाता है। और यही विश्वास फिर धीरे-धीरे उनकी सोच और व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इस प्रकार, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह मानसिकता हस्तांतरित होती रहती है और गरीबी नाम का यह साया और भी काला होता चला जाता है।

सही सोच से संभव है बदलाव: गरीबी की कैद से बाहर निकलने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी असली चाबी है सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प। वे ही लोग गरीबी से बाहर निकल सके हैं, जिन्होंने सबसे पहले अपनी सोच और मानसिकता बदली। उन्होंने यह समझा कि गरीब होना स्थायी स्थिति नहीं है। वे समझते हैं कि यदि वे मेहनत करें, अपने हुनर को पहचानें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो वे अपनी स्थिति को बदल सकते हैं।

आत्मविश्वास से बदलेंगे हालात: सोच के समृद्ध होने का मतलब केवल बड़े सपने देखना भर नहीं होता है। इसका मतलब है, हर चुनौती को अवसर के रूप में देखना और लगातार प्रयास करते रहना। साथ ही यह ठान लेना कि इस स्थिति से बाहर निकलना ही है। जब तक यह विश्वास नहीं होगा कि आप अपनी स्थिति बदल सकते हैं, तब तक कोई भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा। इसलिए अपनी स्थिति सुधारने के लिए सबसे पहले मानसिकता बदलने की जरूरत है।

खुद पर विश्वास करना गरीबी से बाहर निकलने की पहली सीढ़ी है। जब आप यह मानेंगे कि आप बदलाव ला सकते हैं, तभी आप प्रयास करेंगे। ज्ञान और कौशल वह हथियार हैं, जिनसे आप किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकते हैं। नए कौशल सीखें और अपने आप को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं। नकारात्मक विचारों को त्यागें और हर समस्या में समाधान ढूंढ़ने की आदत डालें। अगर हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं, अपने आप पर विश्वास रखें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो हम गरीबी से बाहर निकल सकते हैं। *

फैशन ट्रेंड

विवेक कुमार

अगर आप ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ-साथ आपको फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी दे, तो स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर आपके लिए परफेक्ट च्वॉइस हो सकती है।

कूल फैशन का ऑप्शन एथलीजर-स्पोर्ट्स वियर

इन दिनों युवाओं में स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर वियर ऐसी ड्रेस होती हैं, जिन्हें खासतौर से स्पोर्ट्स या जिम एक्टिविटीज के लिए डिजाइन किया जाता है। मसलन जॉगर्स, ट्रैक पैंट्स, लेगिंग्स, क्रॉप टॉप्स, हूडीज, स्नीकर्स और जैकेट्स आदि। ये ड्रेसेस डेली यूज के लिहाज से भी कंफर्टेबल और स्टाइलिश होते हैं। यह फैशन आमतौर पर युवा ही कैरी करते हैं, क्योंकि इसे कैरी करने के लिए बॉडी फिटनेस और फ्लैक्सिबिलिटी बहुत जरूरी है, तभी ये बेस्ट अपीयरेंस देती है।

क्यों बढ़ रहा है क्रेज: हाल के सालों में युवाओं में फिटनेस को लेकर क्रेज बढ़ा है, ज्यादा से ज्यादा यंगस्टर्स वर्कआउट करते हैं। आज के फिटनेस फ्रीक यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल और फैशनेबल होने के साथ-साथ उनकी फिटनेस को शो-ऑफ भी करे। ये सारी क्वालिटीज उन्हें स्पोर्ट्स और एथलीजर वियर में एक साथ मिल जाती हैं। ये ड्रेस ग्लोबल और ट्रेंडी फैशन का हिस्सा हैं। चाहे बॉलीवुड या हॉलीवुड के सितारे हों, मशहूर खिलाड़ी हों, बिजनेस टाईकून हों या किसी भी क्षेत्र के कामयाब युवा हों, वे फिट और स्मार्ट दिखने के लिए आजकल स्पोर्ट्स वियर को फैशन की तरह कैरी कर रहे हैं, इसलिए भी ये ड्रेसेस युवाओं को बहुत पसंद आ रही हैं। वे खूब चाव से इन्हें पहनते हैं।

होते हैं कंफर्टेबल-मल्टीपर्पस: एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर हल्के, कंफर्टेबल और स्ट्रेचेबल फैब्रिक से बनाए जाते हैं। ये बॉडी के लिए ब्रिथेबल (सांस लेने योग्य) होते हैं, जिस कारण इन्हें लंबे समय तक पहना जा सकता है। साथ ही ये मल्टीपर्पस और मल्टीस्टाइल होते हैं। जिम, कैजुअल आउटिंग या ऑफिस के लिए भी ये उपयुक्त समझे जाते हैं।

हर प्राइस रेंज में अवेलेबल: मार्केट में हर प्राइस रेंज में एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर अवेलेबल हैं। डिफरेंट ब्रांड्स और क्वालिटी के हिसाब से 500 से 1500 रुपए के लोअर रेंज, 1500 से 5000 रुपए के मिड रेंज और 5000 रुपए से शुरू होने वाले हाई-एंड रेंज में आपको ये स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर मिल जाएंगे।

जब कैरी करें स्पोर्ट्स-एथलीजर: जब भी आप एथलीजर या स्पोर्ट्स वियर कैरी करें तो फिटिंग का ध्यान जरूर रखें। अधिक लूज स्पोर्ट्स वियर अटपटे लगते हैं। ये हमेशा फिट होने चाहिए। हालांकि इतने टाइट भी न हों कि आप असहज महसूस करें। दूसरी जो बात सबसे ज्यादा ध्यान देने की है कि आपके स्पोर्ट्स वियर का मैटीरियल क्या है? वास्तव में ये स्वेट विकिंग यानी पसीना सोखने वाला होना चाहिए और ब्रीथेबल यानी सांस लेने में योग्य तो होना ही चाहिए। स्पोर्ट्स वियर को हमेशा जितना संभव हो सादगी से पहनें। ये कैजुअल आउटिंग के लिए ही ठीक हैं। कभी फॉर्मल इवेंट में इन्हें कैरी करके न जाएं।

इन बातों का भी रखें ध्यान: न्यूट्रल और मोनोक्रोम लुक्स (जैसे-ब्लैक, व्हाइट, ग्रे) वाले एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर इन दिनों ट्रेंड में हैं। इन्हें कैरी करते समय अपने शूज का भी ध्यान रखना जरूरी है। इनके साथ आप हमेशा क्लीन और ट्रेंडी स्पोर्ट्स शूज या स्नीकर्स ही कैरी करें। स्पोर्ट्स वियर में लेयरिंग लुक भी खूब पसंद की जाती है। लेयरिंग लुक हुडीज, जैकेट्स आदि से मिलती है। लेयरिंग लुक स्पोर्ट्स वियर के साथ बेहतरीन और स्टाइलिश कॉम्बिनेशन बनाती है। जहां तक स्पोर्ट्स वियर के साथ एक्सेसरीज की बात है तो वाच, कैप या स्लिंग बैग जैसे हल्के एक्सेसरीज स्पोर्ट्स वियर को 'वॉव' लुक देते हैं। लेकिन ओवर ड्रेसिंग से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

कुछ समय पहले नेटफ्लिक्स पर 'ब्लैक वारंट' वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसमें जेलर सुनील कुमार गुप्ता के लीड रोल में जहान कपूर नजर आ रहे हैं। बीते दौर के मशहूर अभिनेता शशि कपूर के ग्रैंडसन जहान ने इस वेब सीरीज से जुड़े एक्सपीरियंस और एक्टिंग करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए इस बातचीत में।

मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी: जहान कपूर

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवानी के प्रोडक्शन में बनी वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार बहुत ही मैच्योर तरीके से निभाया है। हाल में पृथ्वी थिएटर में जहान कपूर से बातचीत हुई। पेश है इसके प्रमुख अंश-

हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में लीड एक्टर के तौर पर आपका सेलेक्शन कैसे हुआ?

'ब्लैक वारंट' की कास्टिंग मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबरा ने की थी, उसमें मैंने भी ऑडिशन दिया। ऑडिशन के 2-3 महीने बाद मुझे विक्रमादित्य मोटवानी के ऑफिस से कॉल आया। मैं उस वक्त मकरंद देशपांडे के निर्देशन में 'सियाचिन' नाटक में मुख्य भूमिका निभा रहा था। विक्रमादित्य सर के साथ काफी बातचीत और 2-3 मीटिंग्स के बाद मुझे जेलर सुनील कुमार गुप्ता के रोल के लिए सेलेक्ट कर लिया गया।

जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी?

यह वेब सीरीज एक किताब 'ब्लैक वारंट : कंफेशन ऑफ ए तिहाड़ जेलर' पर आधारित है। इसे लिखा है खुद सुनील गुप्ता और सुनेत्रा चौधरी ने। मैंने सबसे पहले इस किताब को बारीकी से पढ़ा। मेरे रोल और लुक को लेकर काफी डिस्कशंस हुए। मूंछें पतली रखी जाएं या मोटी, बालों को कैसे रखा जाए, यूनिफॉर्म पहन कर कैसी चाल होगी, मेरा चलना शुरू में कैसे होगा, बाद में कैसे होगा? हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान दिया गया। इस कहानी में मेरे किरदार के कई पहलू हैं। सुनील गुप्ता के मेंटल स्टेजेस को प्रेजेंट करना काफी मुश्किल था, किताब पढ़ने के बाद मुझे इसमें काफी हेल्प मिली। अब जब इस वेब सीरीज में मेरी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है, तो बहुत अच्छा लग रहा है। इसका श्रेय मैं इस शो की पूरी टीम को दूंगा।

वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' के एक सीन में जहान कपूर

जेलर सुनील गुप्ता के किरदार से आप खुद को कितना रिलेट करते हैं?

यह सच है कि एक पारिवारिक संस्कारी युवक से सुनील कैसे गाली-गलौज करने वाले जेलर बन जाते हैं, कैसे कैदियों की फांसी देखते-देखते उनका दिल डेड जैसा हार्ड हो जाता है, इसे समझना बहुत मुश्किल था। जहां तक रियल लाइफ में सुनील कुमार गुप्ता के किरदार से रिलेट करने की बात है, तो मेरा फैमिली बैकग्राउंड उनसे पूरी तरह से अलग है। सिर्फ इतना कह सकता हूं कि सुनील की तरह ही मेरा स्वभाव भी सिंपल-सोबर है। मैं भी सुनील की तरह शांतिप्रिय और पॉजिटिव इंसान हूं।

क्या आपने अभिनय में आने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कपूर परिवार के ज्यादातर लोग अभिनय से जुड़े रहे हैं?

यह सच है कि हमारे परिवार का लगभग हर दूसरा सदस्य एक्टिंग से जुड़ा है, लेकिन इसी वजह से मैंने भी यही राह पकड़ी ऐसा नहीं है। मेरी मां 'शोले' फेम निर्देशक रमेश सिप्पी की पुत्री शीना सिप्पी एक जानी-मानी फोटोग्राफर और पिताजी कुणाल कपूर एक्टर के साथ पृथ्वी थिएटर के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। मुझे जब स्कूल में दाखिल किया गया तो सभी को अहसास हुआ कि मैं डिस्लेक्सिक हूं। मुझे पढ़ने में दिक्कत हो रही थी। मेरे मम्मी-पापा ने तुरंत इसका ट्रीटमेंट शुरू करवाया, तब जाकर मैं इससे बाहर निकला। इस वजह से मेरे करियर को लेकर बहुत ज्यादा प्लानिंग नहीं हुई। दसवीं क्लास के एग्जाम्स के बाद मैं पृथ्वी थिएटर से जुड़ गया। वहां बैक-स्टेज, सेट-डिजाइनिंग से लेकर प्रोडक्शन इंचार्ज तक, मुझे जो भी काम मिलता था, मैं कर लेता था। ग्रेजुएशन करने के दौरान ही मेरी मां ने मुझे एक एड एजेंसी में काम करने भेजा। मैंने इस एड एजेंसी में कॉपी राइटिंग, को-ऑर्डिनेशन से लेकर मॉडल शूट तक हर डिपार्टमेंट में काम सीखा। इन सबके बीच 'पृथ्वी थिएटर' के नाटकों में मेरा अभिनय भी चल रहा था। इसी तरह मुझे एक्टिंग से लगाव हुआ, और निर्देशक हंसल मेहता ने मुझे अपनी फिल्म 'फराज' में मौका दिया। इस तरह फिल्मों में बतौर एक्टर मैंने करियर बनाना डिसाइड कर लिया।

क्या कपूर परिवार का होने की वजह से आप प्रेशर भी फील करते हैं?

अभिनय की दुनिया में कपूर परिवार को सौ वर्ष हो चुके हैं। मैं शशि कपूर का पोता हूं। लोग आज कहते है मुझ में दादाजी (शशि कपूर) की छवि नजर आती है, यह सुनकर मुझे अच्छा लगता है, लेकिन उन्होंने जो महारत, जो मुकाम हासिल किया, क्या मैं वो क्या हासिल कर सकता हूं? पता नहीं! जाहिर-सी बात है मुझसे भी दर्शकों को कई उम्मीदें होंगी। मेरी तुलना लोग रणबीर, करीना, करिश्मा से भी करते होंगे। लेकिन इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता कि इंसान को आगे बढ़ने के लिए टैलेंट के साथ किस्मत का साथ होना निहायत जरूरी होता है। और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हर किसी की किस्मत अलग ही होती है। हाथ की पांचों अंगुलियां एक समान होती हैं क्या? प्रतिभा है, पर मौके न मिलें तो प्रतिभा कैसे उजागर होगी? मैं कपूर खानदान से जुड़ा हुआ हूं, सिर्फ इसलिए घर पर बैठे-बैठे काम का इंतजार नहीं करता रहूंगा। मैं खुद कोशिशें करता रहूंगा। ऑडिशन देता रहूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी। *

घर में वे सिर्फ मेरे दादाजी थे...

अपने दादाजी (शशि कपूर) को जहान कैसे याद करते हैं, उनकी कौन सी फिल्में उन्हें पसंद हैं पूछने पर जहान बताते हैं, 'फिल्मी पर्दे पर तो वे शशि कपूर थे, द अल्टीमेट हैंडसम हीरो। लेकिन घर में मुझे प्यार करने वाले, वे सिर्फ मेरे दादाजी थे। मेरी अंगुली पकड़ कर मुझे आइसक्रीम खिलाने ले जाते थे। अकसर मुझे और मेरी सिस्टर शायरा को इंग्लिश फिल्म दिखाने ले जाते थे। बहुत सुनहरे दिन थे वो। जहां तक उनकी फेवरेट फिल्म की बात है तो दादाजी की हर फिल्म तो मैंने देखी नहीं, लेकिन 'दो और दो पांच', 'कलयुग', 'शर्मिली', 'दीवार', 'जूनून', 'आ गले लग जा' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं।'